दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-87 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 10 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुवेंदु ने ली सीएम पद की शपथ

समारोह में अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 सीएम मौजूद रहे

कोलकाता,(ए)। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले सीएम बन गए हैं। उन्होंने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम मोदी के पास गए और उन्हें झुककर प्रणाम किया। बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा पांच और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निषिथ प्रमाणिक का नाम शामिल हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 सीएम मौजूद थे। पीएम मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी 165वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम ने मंच पर बीजेपी के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही पीएम मोदी सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए। इसके बाद सरकार ने मोदी को गले लगाया। पीएम ने मंच पर बीजेपी के 90 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया।

पीएम मोदी ने किया रोड शो

पीएम मोदी परेड ग्राउंड में एक रोड शो कर रहे हैं। विशेष रूप से बनाए गए रथ पर पीएम और सुवेंदु साथ में मंच की तरफ गए। उनके साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य भी हैं। शपथ के दौरान ग्राउंड में करीब एक लाख लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद हैं। पीएम ने मंच पर सबसे पहले रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि दी।बता दें सुवेंदु बेहद आध्यात्मिक, घरवाले डरते थे बेटा संन्यासी न बन जाए 1970 में पूर्व मेदिनीपुर के कोंतली गांव में जन्मे सुवेंदु का बचपन से ही आस्था की ओर झुकाव है। हर शनिवार रामकृष्ण मिशन जाना उनका तय रूटीन था। वे बचपन में इतने धार्मिक थे कि घरवालों को डर लगने लगा था कहीं बेटा संन्यासी न बन जाए। घर में जमा सिक्के भी चुपचाप मिशन में दान कर आते थे। परिवार को लगता था, कभी भी घर छोड़ सकते हैं, लेकिन सुवेंदु ने दूसरा फैसला लिया...संन्यास नहीं, राजनीति करेंगे और शादी भी नहीं करेंगे। 80 के दशक के अंत में कांथी के प्रभात कुमार कॉलेज से सुवेंदु की छात्र राजनीति शुरू हुई। धीरे-धीरे पूर्व मेदिनीपुर में अपनी अलग पहचान बना ली।

मेले और उत्सव होते हैं मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता के आधार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की आयोजकों को 5 लाख रुपये देने की घोषणा

भोपाल(निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मालवा उत्सव केवल एक मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव आज अपनी रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से देश की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवा उत्सव के उत्साहपूर्ण माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि भांगड़ा, गरबा और अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बना दिया मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

-इंटेलिजेंस एजेंसियों ने जताई आत्मघाती हमला,गोलीबारी और आईईडी ब्लास्ट की आशंका

नई दिल्ली,(ए.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संभावित आतंकी हमले को लेकर इंटेलिजेंस एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी किया है। अलर्ट के बाद भाजपा मुख्यालय और आसपास स्थित सरकारी इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि आतंकवादी आत्मघाती हमला, कार ब्लास्ट, गोलीबारी या आईईडी विस्फोट जैसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय और आसपास के महत्वपूर्ण सरकारी परिसरों को संभावित निशाना माना जा रहा है। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है।खतरे की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल और अर्धसैनिक जवानों की तैनाती की गई है। प्रमुख इमारतों और संवेदनशील स्थानों के आसपास बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है तथा आने-जाने वाले वाहनों की रैंडम चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीसीटीवी निगरानी को भी और मजबूत किया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस सामान या लंबे समय तक खड़े वाहनों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

संभावित खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्तों, स्निफर डॉग यूनिट्स और क्विक रिएक्शन टीमों (क्यूआरटी) को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली फायर सर्विस को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम कर रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है और कई स्थानों पर सुरक्षा जांच को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने नागरिकों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि राजधानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सरकार बदलते ही कोलकाता पुलिस ने किया एक्स हैंडल पर ममता व अभिषेक को अनफॉलो

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता पुलिस के आधिकारिक एक्स हैंडल ने कथित तौर पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद अनफॉलो कर दिया था। अब यह अकाउंट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री कार्यालय तथा गृह मंत्रालय के आधिकारिक अकाउंट्स को फॉलो कर रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत और राज्य में सरकार बनाने की तैयारियों के बाद सोशल मीडिया हैंडल में बदलाव किए गए। कोलकाता पुलिस के अकाउंट पर मौजूद सूची में यह बदलाव चुनाव परिणामों के बाद कोलकाता भर में हो रहे राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तनों के साथ हुआ। इसी दौरान तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय और शहर में पार्टी के कई नेताओं के आवासों के बाहर तैनात अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को भी वापस बुला लिया गया।

भारत ने एडवांस्ड अग्नि मिसाइल का किया सफल परीक्षण, कई लक्ष्यों पर कर सकती है हमला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत ने ओडिशा के तट पर एडवांस्ड अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह परीक्षण डॉ एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से किया गया। इस मिसाइल में एमआईआरवी तकनीक लगी हुई है, जिससे एक ही मिसाइल कई अलग-अलग लक्ष्यों पर हमला कर सकती है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने कई पेलोड लेकर उड़ान भरी। भारतीय सेना और डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने पूरे परीक्षण पर नजर रखी और मिशन के सभी लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरे हुए हैं।एमआईआरवी का पूरा नाम मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल है। इस तकनीक की मदद से एक मिसाइल कई वॉरहेड ले जा सकती है। लॉन्च के बाद ये वॉरहेड अलग होकर अलग-अलग दिशाओं में अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ते हैं। आसान शब्दों में कहें तो पांच अलग मिसाइल दागने की जगह एक ही मिसाइल कई जगह हमला कर सकती है। इससे मिसाइल सिस्टम ज्यादा ताकतवर बन जाता है और दुश्मन के लिए इसे रोकना काफी मुश्किल हो जाता है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण के दौरान मिसाइल की पूरी उड़ान पर लगातार नजर रखी गई। कई ग्राउंड स्टेशन और समुद्र में मौजूद जहाजों से इसकी ट्रैकिंग और टेलीमेट्री की गई।

थलापति को मिला वीसीके और आईयूएमएल का समर्थन पत्र, सीएम बनने का रास्ता साफ

चेन्नई,(ए)। तमिलनाडु में अब वीसीके के अलावा आईयूएमएल भी टीवीके के साथ आई है। आईयूएमएल ने टीवीके को बिना किसी शर्त के समर्थन दिया है। पार्टी ने शनिवार शाम को टीवीके को अपना समर्थन पत्र सौंपा है। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। थोल तिरुमावलवन के नेतृत्व वाली वीसीके (वीसीके) ने विजय की पार्टी टीवीके (टीवीके) को बिना शर्त समर्थन दिया है। इसके बाद तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर चल रही राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है और अब विजय सरकार बनाने की तैयारी में हैं। वीसीके के फैसले को थलपति विजय के लिए बड़ा राजनीतिक समर्थन माना जा रहा है। वहीं तिरुमावलवन के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा है कि उनका समर्थन बिना किसी शर्त के होगा।इसके पहले टीवीके नेता आधव अर्जुना को समर्थन पत्र सौंपते हुए वीसीके प्रेसिडेंट थिरुमावलवन की तस्वीर भी सामने आई है। विजय की टीवीके पार्टी के पास पहले 116 विधायकों का समर्थन था।

यूपीएससी में किसान के बेटे बसवराज का कमाल, आईएफएस की परीक्षा में टॉप करके रच दिया इतिहास

बेलगावी (कर्नाटक), (आरएनएस)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को इंडियन फॉरेस्ट सर्विस एग्जाम के रिजल्ट घोषित किए, जिसमें कर्नाटक के एक किसान के बेटे ने पहली रैंक हासिल कर अपने परिवार राज्य और देश का नाम रोशन कर दिया है.बेलगावी जिले के अथानी तालुक के सावड़ी गांव के बसवराज दरेप्पा केम्पावाड़ ने आईएफएस की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर टॉप करके देश का ध्यान खींचा है.एक आम किसान के बेटे की इस अनोखी कामयाबी के लिए बधाईयों का तांता लगा हुआ है. लगातार कोशिश से, बसवराज सिर्फ अपने दूसरे प्रयास में टॉपर बन गए हैं. उनकी इस अनोखी कामयाबी से उनके परिवार और सावड़ी गांव में जश्न का माहौल है.एक आम किसान के बेटे बसवराज ने अपनी शुरुआती पढ़ाई अपने गृहनगर सावड़ी गांव में पूरी की. बाद में, उन्होंने अथानी शहर में अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की।

पेट्रोल और डीजल के 15 मई से पहले बढ़ सकते हैं दाम!

युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, भारत में तेल कंपनियां को नुकसान

नई दिल्ली,(ए.)। युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें सातवें आसमान पर हैं। इसके बाद भी सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल

की कीमतों में घरेलू स्तर पर कोई इजाफा नहीं किया है, लेकिन आने वाले एक हफ्ते में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के पहुंच गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15 मई से पहले इजाफा होगा। कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी की वजह से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को हर एक महीने 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। बता दें युद्ध की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित हुआ है। इसी रास्ते से दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है। तेल की सप्लाई प्रभावित होने की वजह से दुनिया भर में कच्चे तेल का रेट काफी तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से कई देशों में पेट्रोल और डीजल के रेट में भारी इजाफा देखने को मिला है। हॉन्ग कॉन्ग में पेट्रोल का रेट 295 रुपए, सिंगापुर में 240, नीदरलैड्स में 225, इटली में 210 और यूके में 195 रुपए के स्तर पर पहुंच गए। वहीं, भारत में यह 95 रुपए के आस-पास बना हुआ है।

इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक पेट्रोल पर 24 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 30 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

मध्यप्रदेश बना गिद्ध संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र

हलाली डैम से उज्बेकिस्तान तक 3000 किलोमीटर से अधिक की भरी उड़ान

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश एक अंतर्राष्ट्रीय हब के रूप में उभर रहा है। हाल ही में मध्यप्रदेश से जुड़े एक सिनेरियस गिद्ध की प्रेरणादायी यात्रा ने प्रदेश के संरक्षण प्रयासों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है।दुर्लभ सिनेरियस गिद्ध का रेस्क्यू 19 दिसंबर 2025 को विदिशा जिले के सिरोंज क्षेत्र से किया गया था। घायल एवं कमजोर अवस्था में मिले इस गिद्ध का उपचार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल एवं बीएनएचएस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित वल्चर कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर, केरवा में विशेषज्ञों द्वारा किया गया। स्वस्थ होने के बाद 23 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे रायसेन जिले के हलाली डैम स्थित प्राकृतिक आवास में मुक्त किया था। मुक्त किए जाने के बाद यह गिद्ध लगभग एक माह तक हलाली डैम क्षेत्र में रहा और प्राकृतिक वातावरण में स्वयं को पुनः अनुकूलित करता रहा। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं बीएनएच के सहयोग से वन विहार द्वारा इसकी जीपीएस ट्रैकिंग प्रारंभ

की गई। इससे गिद्ध की गतिविधियों एवं प्रवास की वैज्ञानिक तरीके से निगरानी की जा रही है। ट्रैकिंग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गिद्ध ने 10 अप्रैल 2026 को हलाली डैम से अपनी लंबी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रारंभ की। राजस्थान से होते हुए यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाएं पार कर 4 मई 2026 को उज्बेकिस्तान पहुंच गया। इस दौरान इसने 3000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की।यह अद्भुत यात्रा गिद्धों की असाधारण नेविगेशन क्षमता, सहनशीलता एवं जीवटता का जीवंत उदाहरण है। साथ ही यह मध्यप्रदेश सरकार की वन्यजीव संरक्षण के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों, आधुनिक उपचार सुविधाओं, वैज्ञानिक मॉनिटरिंग और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से मध्यप्रदेश आज देश के साथ ही वैश्विक वन एवं वन्यजीव संरक्षण समुदाय के लिए प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरा है। प्रदेश गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर रहा है।

भोपाल में टाइगर का मूवमेंट..

दहशत में 7 गांव,10 दिन में 5 गाय और भैंस का किया शिकार; लोगों ने रात में रास्ता बदला

भोपाल(आरएनएस)। भोपाल के बैरसिया रोड पर टाइगर के मूवमेंट से 7 गांवों के लोग दहशत में हैं। पिछले 10 दिनों में टाइगर 5 गाय और भैंसों का शिकार कर चुका है। इस वजह से लोगों ने रात में रास्ता बदल लिया है। वे 5 से 6 किलोमीटर घूमकर आना-जाना कर रहे हैं। कनेरा गांव और उससे जुड़े करोंदखुर्द, कड़ैया, छापर, अगरिया, मुगालिया कोट और चांचड़ में टाइगर का मूवमेंट देखा गया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने बताया कि हलाली नदी के किनारे टाइगर का मूवमेंट लगातार नजर आ रहा है। करीब 10 दिन पहले कनेरा में सबसे पहले टाइगर दिखाई दिया था। वहीं, गुरुवार-शुक्रवार की रात उसने एक और गाय का शिकार कर लिया।ग्रामीणों ने बताया कि टाइगर रात में ही शिकार कर रहा है। इस वजह से किसानों ने रात में खेतों में जाना बंद कर दिया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने बताया कि कई लोगों ने रास्ता बदल लिया है। वे 5 से 6 किमी घूमकर आना-जाना कर रहे हैं, ताकि उनका बाघ से सामना न हो। ग्रामीणों ने टाइगर के मूवमेंट की सूचना वन विभाग को भी दी है। वन विभाग की टीम ने सर्चिंग की, लेकिन टाइगर का पता नहीं चल सका। ग्रामीणों का कहना है कि टाइगर पहाड़ी और नदी किनारे के रास्तों से गांव तक पहुंच रहा है। वह खलिहानों और गांव के बाहर बने घरों में बंधे मवेशियों को अपना शिकार बना रहा है।

पश्चिम बंगाल में विकास और सुशासन के नए युग की शुरुआत : हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नवगठित भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में विकास, सुशासन और जनकल्याण का नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित मंत्रिमंडल प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं पर पूर्णतः खरा उतरते हुए विकास कार्यों को नई गति देगा तथा राज्य को प्रगति और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाएगा।हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य करते हुए पश्चिम बंगाल को सुशासन, सुरक्षा और विकास के नए आयामों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अकादमिक गुणवत्ता के लिए, उच्च शिक्षा एव मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला हुई

भोपाल,(निप्र.)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं उच्च शिक्षा में अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम निर्माण एवं चिन्हित विषयों की संदर्भ पुस्तकों की पांडुलिपियों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं अकादमिक गुणवत्ता परीक्षण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का 8 एवं 9 मई को आयोजन हुआ।उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल स्थित पलाश रेसिंडेसी में दो दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला में प्रदेशभर के विषय विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, अकादमिक विद्वानों एवं नीति-निर्माताओं ने सहभागिता की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप, उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों एवं संदर्भ ग्रंथ पुस्तकों की गुणवत्ता, प्रासंगिकता तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश पर व्यापक मंथन किया।

हाशिए से नेतृत्व तक अभियान से महिलाओं को मिलेगा नेतृत्व का मंच : जीतू पटवारी

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय इंदिरा भवन में महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित "हाशिए से नेतृत्व तक- महिला नेतृत्व एवं राजनीतिक भागीदारी अभियान" कार्यक्रम में शामिल होकर अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में स्थापित करने का एक व्यापक सामाजिक आंदोलन है। कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्ग की महिलाओं को सम्मान, समान अवसर और निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। जीतू पटवारी ने कहा कि "हाशिए से नेतृत्व तक" थीम पर आधारित यह अभियान प्रदेशभर में महिलाओं को राजनीति, सामाजिक नेतृत्व और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

मध्यप्रदेश में सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने की उत्कृष्ट पहल

सुमन हेल्प डेस्क 24_7 सेवाओं के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा का बनी आधार

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। सुरक्षित मातृत्व, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की समय पर उपलब्धता एवं तकनीक आधारित स्वास्थ्य मॉनिटरिंग से प्रदेश सरकार महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रभावी पहल कर रही है। सुमन हेल्प डेस्क एवं इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर प्रदेश में सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मध्यप्रदेश सरकार सुरक्षित मातृत्व एवं स्वस्थ नवजात शिशु की सुरक्षा के संकल्प को तकनीक, संवेदनशीलता और सतत सेवा के माध्यम से साकार कर रही है। सुमन हेल्प डेस्क स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने, शिकायतों के त्वरित समाधान, समयबद्ध रेफरल एवं सतत निगरानी के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त आधार प्रदान कर रही है।मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में संचालित सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) हेल्प डेस्क व्यवस्था प्रदेश में गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं उनके परिवारों के लिए भरोसेमंद सहायक प्रणाली बनकर उभरी है। राज्य में प्रारंभिक रूप से 57 स्वास्थ्य संस्थाओं से शुरू हुई यह व्यवस्था अब विस्तारित होकर 55 जिला चिकित्सालयों, 10 शासकीय मेडिकल कॉलेजों तथा एम्स भोपाल तक पहुँच चुकी है।मध्यप्रदेश के सुमन आइसीसीसी एवं जिला हेल्प डेस्क मॉडल को भारत सरकार द्वारा आयोजित 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (नेशनल समिट ऑन इनोवेशंस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज) में नवाचार एवं सर्वोत्तम कार्य-पद्धति के रूप में सराहा गया है।

भोपाल में तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने घर के बाहर टहल रहे साइट सुपरवाइजर को मारी टक्कर,हुई मौत, चालक फरार

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पिपलानी इलाके में तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से एक साइट सुपरवाइजर की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शुक्रवार देर रात उस समय हुआ, जब वे खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक ई-रिक्शा मौके पर छोड़कर फरार हो गया। ईलाज के दौरान शनिवार सुबह सुपरवाइजर की मौत हो गई। पिपलानी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक 48 वर्षीय हटे सिंह जादव पुत्र काशीनाथ जादव शो क्वार्टर बी-सेक्टर पिपलानी के निवासी थे। वे एक ठेकेदार के साथ साइट सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत थे। शुक्रवार देर रात भोजन के बाद घर के बाहर टहल रहे थे, तभी तेज गति से आ रहे ई-रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मां को छोड़कर भागा चालक

मृतक के भाई भाव सिंह जादव ने बताया कि हादसे के समय ई-रिक्शा में आरोपी चालक की मां भी सवार थी। टक्कर के बाद चालक अपनी मां और वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। परिजनों के अनुसार, आरोपी की मां ने बताया कि ई-रिक्शा के ब्रेक सही तरीके से काम नहीं कर रहे थे, जिसकी वजह से हादसा हुआ।

वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत आयोजित

भोपाल जिले में 61 खण्डपीठों का गठन, हजारों प्रकरणों के निराकरण की पहल

भोपाल (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को जिला न्यायालय भोपाल सहित जिले के विभिन्न न्यायालयों में किया गया।नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती तथा महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश अत्याचार निवारण अधिनियम श्री राजर्षि श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अग्निन्ध द्विवेदी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के सचिव एवं न्यायाधीश श्री सुनीत अग्रवाल सहित सभी न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर पी.सी. शाक्य, डिप्टी कलेक्टर रत्नेश श्रीवास्तव, अतिरिक्त डीसीपी श्रीमती नीतू सिंह ठाकुर, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दीपक खरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी बी.एम. सिंह, अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि, पैरालीगल वालेंटियर्स तथा विधि महाविद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र भी उपस्थित रहे। जिला भोपाल के न्यायालयों में वर्तमान में कुल 1 लाख 61 हजार 605 प्रकरण लंबित हैं। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, विद्युत अधिनियम, वैवाहिक विवाद एवं अन्य सिविल मामलों सहित कुल 13 हजार 186 राजीनामा योग्य प्रकरण रखे गए। वहीं विद्युत अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर, बीएसएनएल एवं यातायात ई-चालान से संबंधित 80 हजार 500 प्रीलिटिगेशन प्रकरण भी लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए। अधिक से अधिक प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय एवं श्रम न्यायालय सहित जिलेभर में कुल 61 खण्डपीठों का गठन किया गया। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आमजन को सुलभ, त्वरित एवं कम खर्चीला न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

कान्हा में 'जंगली भैंस' की वापसी से हो रहा प्रदेश का वन्य वैभव समृद्ध

'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना कार्यक्रम के द्वितीय चरण का हुआ सफल संचालन

काजीरंगा से सुपखार लाए गए 4 और 'जंगली भैंसों' को विशेष बाड़े में किया गया मुक्त

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश के वन्य जीव संरक्षण इतिहास में कान्हा टाइगर रिजर्व में 'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना कार्यक्रम के द्वितीय चरण के सफल संचालन से नया अध्याय जुड़ गया। लगभग एक शताब्दी पूर्व प्रदेश के वनों से विलुप्त हो चुकी 'जंगली भैंस' प्रजाति की वापसी अब साकार हो रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व, मंडला के सुपखार परिक्षेत्र में शुक्रवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्रीमती समिता राजोरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने 4 और जंगली भैंसों को विशेष रूप से निर्मित बाड़े में सफलतापूर्वक मुक्त किया। इस अवसर पर संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व रविंद्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक (कोर) प्रकाश वर्मा, उप संचालक (बफर) सुश्री अमिथा के.बी., समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में वन विभाग जैव विविधता संरक्षण और विलुप्तप्राय प्रजातियों के पुनर्वास के लिये विशेष अभियान चला रहा है। इसी के अंतर्गत असम के प्रसिद्ध काजीरंगा टाइगर रिजर्व से 'जंगली भैंस' को कान्हा के सुपखार क्षेत्र में पुनर्स्थापित किया जा रहा है। सुपखार वह क्षेत्र है, जहां ऐतिहासिक रूप से जंगली भैंसों की उपस्थिति होने के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। परियोजना के प्रथम चरण में 28 अप्रैल 2026 को 4 'जंगली भैंस' (1 नर और 3 मादा) को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुपखार स्थित विशेष बाड़े में मुक्त किया था। दूसरे चरण में 4 और जंगली भैंसों के आगमन के साथ कान्हा में इनकी संख्या बढ़कर 8 हो गई है। आगामी चरणों में भी परियोजना को और विस्तार दिया जाएगा। इससे प्रदेश में जंगली भैंसों की स्थायी और स्वस्थ आबादी विकसित होगी। काजीरंगा टाइगर रिजर्व से कान्हा टाइगर रिजर्व तक लगभग 2,220 किलोमीटर की लंबी दूरी विशेष वन्यजीव परिवहन वाहनों से तय की गई। यात्रा के दौरान दो विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों की टीम लगातार स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी करती रही। सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी ने पूरे अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान लगभग 72 घंटे तक चला। 'जंगली भैंस' भारतीय वन्यजीव धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, साथ ही यह वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में भी अहम भूमिका निभाता है। 'जंगली भैंस' की वापसी से कान्हा क्षेत्र की जैव विविधता और अधिक समृद्ध होगी और परियोजना देश में वन्यजीव पुनर्स्थापना के सफल मॉडल के रूप में स्थापित हो सकेगी। मध्यप्रदेश, बाघ, चीता और गिद्ध संरक्षण जैसे अभियानों के लिए पहचान बना चुका है। 'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना अभियान से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर अग्रसर है।

किसानों की आवाज दबाने के लिए एफआईआर का सहारा ले रही भाजपा सरकार : उमंग सिंघार

भोपाल, (ए)। मध्य प्रदेश में किसानों की मांगों को लेकर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस नेताओं और किसानों पर दर्ज एफआईआर को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज दबाने के लिए एफआईआर का सहारा ले रही है।उमंग सिंघार ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा- मुबारक हो मेरे प्रदेश के किसानोंभाजपा सरकार आपसे डर गई है। खलघाट सहित पूरे प्रदेश में किसानों के हक़ की आवाज़ उठी तो भाजपा ने समाधान नहीं, एफआईआर का रास्ता चुना। मेरे नाम सहित कांग्रेस के कई विधायकों और सैंकड़ों नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिए गए। क्या किसानों के लिए एमएसपी मांगना अपराध है? क्या फसल बीमा, खाद-बीज और बिजली की बात करना गुनाह है? उमंग सिंघार ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि कांग्रेस किसानों के लिए लाठी भी खाएगी और अगर जेल भी जाना पड़ा तो उमंग सिंघार 100 बार तैयार है।

अभी तक 9.78 लाख किसानों से 60.70 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का हुआ उपार्जन : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 9 लाख 78 हजार किसानों से 60 लाख 70 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जा रहा है। शनिवार 9 मई को 31 हजार 629 किसानों से 2,79,395 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटे उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है।मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि किसानों को 11610 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाए आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तुलाई समय पर कराने के लिये समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं के फोटोग्राफ्स भारत सरकार के PCSAP पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा

सार्थक ऐप बना निरर्थक

– हजारों की तनख्वाह पाने वाले डॉक्टर घर बैठे लगा रहे फर्जी हाजरी, वीडिया हुआ वायरल

अशोकनगर (ए.)। स्वास्थ्य विभाग का सार्थक ऐप जिले में निरर्थक साबित हो रहा है। सार्थक ऐप के जरिए हाजिरी दर्ज करने की व्यवस्था को

कुछ डॉक्टरों ने फर्जीवाड़े का जरिया बना लिया। डॉक्टर डिजिटल अटेंडेंस ऐप में ड्यूटी पर दिखाई देते हैं लेकिन हकीकत में वह अपनी कुर्सी से गायब रहते हैं। कोई टेब के जरिए दूर बैठकर हाजिरी लगा रहा है, तो कोई दूसरों से अपनी अटेंडेंस लगवा रहा है।

शनिवार को इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में जिला अस्पताल के डीआरपी (डिस्ट्रिक्ट रेजिडेंस प्रोग्राम) पद पर तैनात डॉ. आशुतोष दिखाई दे रहे हैं। वे एनेस्थीसिया विशेषज्ञ भी हैं। वीडियो में डॉ. आशुतोष अपने हाथ में एक टैबलेट लिए हुए हैं, जिस पर वे अपने साथी डॉ. अभिषेक प्रजापति का चेहरा स्कैन कर उनकी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सार्थक ऐप बनाया था। हालांकि, इस घटना से पता चलता है कि कुछ कर्मचारी ऐप का दुरुपयोग कर कार्यालय में अनुपस्थित रहते हुए भी अपनी हाजिरी लगवा रहे हैं। इस प्रकार अनुपस्थित डॉक्टर को सरकारी वेतन मिल रहा है, जबकि उनकी हाजिरी मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रालय के पोर्टल पर दर्ज हो रही है।

खेतों की आग और काले धुएं से बढ़ी परेशानी, हाईवे पर यातायात प्रभावित

नरसिंहपुर,(ए.)।मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले में नरवाई जलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। खेतों में लगाई जा रही आग से उठ रहा काला धुआं अब लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनता जा रहा है। खासकर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 और 45 पर धुएं के कारण वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार बरमान और करेली के बीच कई स्थानों पर खेतों में नरवाई जलाई जा रही है, जिससे निकलने वाला घना काला धुआं पूरे इलाके में फैल रहा है। धुएं के कारण हाईवे पर दृश्यता प्रभावित हो रही है, जिससे वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस वजह से दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।क्षेत्रवासियों के मुताबिक दिन-रात फैल रहे धुएं से लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और गले में खराश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसका असर पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जहरीले धुएं से वातावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि नरवाई जलाने पर सख्ती से रोक लगाई जाए और प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और हाईवे पर सुरक्षित यातायात सुनिश्चित हो सके।

मैहर में हाथियों की दस्तक से दहशत, अमरपाटन से तीन किमी दूर डेरा

मैहर,(ए.)। मध्यप्रदेश के मैहर जिले में हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीण इलाकों में दहशत फैल गई है। शुक्रवार रात कैमोर पहाड़ से निकलकर हाथियों का एक जोड़ा अमरपाटन वन रेंज के ग्राम जुड़मनिया पहुंच गया, जो अमरपाटन शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित है। हाथियों के आबादी के नजदीक पहुंचने की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में भय का माहौल बन गया।ग्रामीणों के अनुसार देर रात पेड़ों के टूटने और तेज हलचल की आवाजें सुनाई दीं। जब लोगों ने बाहर निकलकर देखा तो गांव के समीप स्थित बगीचे में दो हाथी दिखाई दिए। इसके बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग पूरी रात घरों से बाहर निगरानी करते रहे, जबकि कुछ परिवार डर के कारण जागते रहे।बताया जा रहा है कि हाथियों ने गांव के पास स्थित केले और आम के बगीचों में घुसकर नुकसान पहुंचाया। कई केले के पौधे उखड़ गए, वहीं आम के पेड़ों की डालियां टूट गईं और फलों को भी नुकसान पहुंचा।

कलेक्टर श्री सिंह ने सिहोरा क्षेत्र में गेहूं खरीदी केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जबलपुर(ए.)। कलेक्टरराघवेंद्र सिंह ने आज सिहोरा विकासखंड के घाट सिमरिया और गौरहा स्थित गेहूं खरीदी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं की गुणवत्ता जांचने के लिए मॉइश्चर माप की प्रक्रिया देखी और तौल कांटों का भौतिक सत्यापन कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने केंद्र पर बारदाने की उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था और सुरक्षा हेतु लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करने के साथ ही स्टॉक वेरिफिकेशन के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने खरीदी केंद्र पर उपस्थित किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। गौरहा स्थित खरीदी केन्द्र में 300 ग्राम अधिक तौल पर संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि इसका पंचनामा बनाये और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता हो और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई गई, तो संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हर जरुरतमंद को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

दिवंगत विद्युत कर्मी की पत्नी को सौंपा 4 लाख का चैक

ग्वालियर (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को रेसकोर्स रोड स्थित अपने सरकारी कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में कार्यरत दतिया के कर्मचारी

सानू ख़ान की पत्नी को 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि का चैक भी प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर जरुरतमंद को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्रदेश सरकार का संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए समस्याओं का समाधान निर्धारित समय-सीमा में करने की बात कही। ऊर्जा मंत्री ने जनसुनवाई में आईं जरुरतमंद महिलाओं को तत्काल राशन दिलाने के निर्देश के साथ ही वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन तथा मुफ्त इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए हर जिला, तहसील स्तर पर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

मंदिर से वाहन चुराने वाले दो चोर गिरफ्तार

– पुलिस अन्य वारदातों की निकाल रही जानकारी

इन्दौर (ए.) । मंदिर प्रांगण से बाइक चुराने वाले दो बाइक चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला देपालपुर थाना क्षेत्र का है और इन चोरों ने 24 अवतार मंदिर प्रांगण से बाइक चोरी की थी। फिलहाल पुलिस इनसे पूछताछ कर अन्य वारदातों के बारे में भी जानकारी निकाल रही है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए बाइक चोरों के नाम विजय पिता मेसरसिंह मोर्य और रतन पिता चंपालाल परमार निवासी ग्राम छोटी कलमेर हैं। आरोपियों ने वाहन चोरी की यह वारदात 7 मई रात 9.30 से 10.0 बजे के बीच 24 अवतार मंदिर प्रांगण में स्थित कमरे का ताला तोड़कर की थी।

मड़िया ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना से सागर और रायसेन जिले के 317 गांवों में हर घर पहुंचा नल से जल

जल जीवन मिशन बना जनभागीदारी और सामाजिक परिवर्तन की मिसाल

सागर (ए.) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव-गांव तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के प्रयासों को गति मिली है। इसी क्रम में लागू मड़िया ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत सागर जिले के राहतगढ़ विकासखंड के 131 ग्राम, जैसीनगर के 145 ग्राम, सागर ब्लॉक के 26 ग्राम तथा रायसेन जिले के बेगमगंज ब्लॉक के 15 ग्रामों सहित कुल 317 ग्रामों को शुद्ध पेयजल सुविधा से जोड़ा गया है।

घर-घर नल कनेक्शन से संवरा ग्रामीणों का जीवन

ग्राम खजुरिया में लगभग 147 परिवार निवास करते हैं, जिनकी आजीविका मुख्य रूप से कृषि, मजदूरी और पशुपालन पर आधारित है। योजना लागू होने से पहले गांव में केवल दो नल और एक कुआं था, जो गर्मियों में सूख जाता था। पानी के लिए ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चियों को एक से डेढ़ किलोमीटर तक पैदल जाना पड़ता था। पानी की

समस्या का सीधा असर बच्चियों की पढ़ाई और महिलाओं के दैनिक जीवन पर पड़ता था। अब घर-घर नल कनेक्शन मिलने से ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत मिली है और गांव में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की स्थिति में भी सुधार दिखाई दे रहा है। इस योजना ने गांव के कई लोगों के जीवन में नई उम्मीद भी जगाई है। ग्राम खजुरिया के निवासी नीरज साहू, जो एक हाथ से दिव्यांग हैं, आज गांव की जल आपूर्ति व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। रोजगार के अवसर नहीं मिलने के बीच उन्होंने ग्राम पंचायत के समक्ष बॉलमेन के रूप में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। ग्राम सभा की सहमति से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई। आज वे गांव में जल सप्लाई व्यवस्था संभालते हुए सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका चला रहे हैं। उनके लिए यह योजना केवल पेयजल सुविधा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान का माध्यम बन गई है। योजना में सामुदायिक सहभागिता को विशेष महत्व दिया गया है।

व्यापार समाचार

ब्रिटानिया बढ़ा रहा है दाम और घटा रहा पैकेट का वजन, जानें आपकी जेब पर कितना पड़ेगा असर

नई दिल्ली , (आरएनएस)। अगर आपकी सुबह की चाय का स्वाद बिना बिस्कुट के अधूरा रहता है, तो अब अपनी जेब थोड़ी और ढीली करने के लिए तैयार हो जाइए। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में बढ़ते तनाव और युद्ध की आहट का असर अब सीधे आपकी रसोई तक पहुंच गया है। देश की दिग्गज बिस्कुट कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के चलते अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने और पैकेट का वजन कम करने का बड़ा फैसला लिया है।

10 रुपये से ऊपर वाले बिस्कुट के लिए देने होंगे ज्यादा दाम

ब्रिटानिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगवे ने निवेशकों को जानकारी दी है कि कंपनी इस तिमाही से कीमतों में धीरे-धीरे इजाफा करने जा रही है। कंपनी की रणनीति के मुताबिक, 10 रुपये से ज्यादा कीमत वाले बिस्कुट के पैकेट अब महंगे हो जाएंगे। वहीं, आम आदमी के बजट वाले 5 और 10 रुपये के पैकेट्स की कीमतों में बदलाव नहीं होगा, लेकिन उनके अंदर मिलने वाले बिस्कुट की मात्रा (ग्रामेज) कम कर दी जाएगी। दरअसल, कंपनी का मुनाफा तो बढ़ा है, लेकिन राजस्व उम्मीद के मुताबिक न रहने से शेयर बाजार में भी कंपनी के शेयरों में 4 फीसदी की गिरावट देखी गई है।

जंग से बिस्कुट का क्या है कनेक्शन ?

दुनिया के दूसरे कोने में चल रहे युद्ध ने बिस्कुट बनाने की लागत बढ़ा दी है। बिस्कुट बनाने में इस्तेमाल होने वाला पाम ऑयल (ताड़ का तेल), पैकेजिंग मटीरियल, ईंधन और मालभाड़ा (फ्रेड) अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण महंगे हो गए हैं। सप्लाई चेन बाधित होने से ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी बढ़ गया है। हालांकि, गेहूं की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन पाम ऑयल और पैकेजिंग के बढ़ते दाम कंपनी के मुनाफे पर दबाव डाल रहे हैं। कंपनी ने अगले पांच महीनों के लिए पाम ऑयल के सौदे पहले ही कर लिए हैं ताकि अचानक आने वाले झटकों से बचा जा सके, लेकिन लंबे समय के लिए कीमतें बढ़ाना कंपनी की मजबूरी बन गया है।

विदेशी बाजारों में भी बढ़ेगी महंगाई

पश्चिम एशिया के हालातों का असर ब्रिटानिया के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर भी पड़ा है। मार्च के महीने में होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कंपनी समय पर माल विदेशों में नहीं भेज पाई। इस नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमतें बढ़ाएगी। इसके अलावा, सप्लाई चेन को बेहतर बनाने के लिए कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को वापस भारत के मुंद्रा पोर्ट (गुजरात) शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

ग्रामीण बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा

ब्रिटानिया की कुल बिक्री का करीब 60-65 प्रतिशत हिस्सा 5 और 10 रुपये वाले किफायती पैकेट्स से आता है। हाल के दिनों में ग्रामीण बाजारों में कंपनी को कड़ी टक्कर मिली है। कुछ प्रतिस्पर्धी कंपनियों ने अपने बिस्कुट 4.50 रुपये और 9 रुपये जैसी कीमतों पर बेचना शुरू कर दिया, जिससे थोक व्यापारियों ने ज्यादा मार्जिन के चक्कर में उन ब्रांड्स को प्राथमिकता दी। इसका असर ब्रिटानिया की ग्रामीण बिक्री पर पड़ा। हालांकि, कंपनी प्रबंधन को भरोसा है कि शहरी और ई-कॉमर्स क्षेत्र में उनकी पकड़ अभी भी मजबूत है और जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिक्री फिर से रफ्तार पकड़ेगी।

रेलवे का बड़ा धमाकाः अब 1 मिनट में बुक होंगे 1.5 लाख टिकट, अगस्त 2026 से रिटायर होगा 40 साल पुराना सिस्टम

नई दिल्ली(आरएनएस),। भारतीय रेलवे अपने करोड़ों यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग के अनुभव को पूरी तरह बदलने की तैयारी में है। अगर आप भी टिकट बुक करते समय स्लो सर्वर और वेटिंग लिस्ट की लंबी कतारों से परेशान रहते हैं, तो आपके लिए बड़ी खुशखबरी है। रेलवे मंत्रालय ने घोषणा की है कि वह अपने 40 साल पुराने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (PRS) को पूरी तरह अपग्रेड करने जा रहा है। अगस्त 2026 से एक नया हाईटेक और सुपरफास्ट टिकट बुकिंग सिस्टम शुरू होगा, जो मौजूदा तकनीक की कमियों को दूर कर देगा। आपको बता दें कि वर्तमान सिस्टम साल 1986 में बनाया गया था, जो अब आधुनिक ट्रैफिक का दबाव झेलने में संघर्ष कर रहा है।रेलवे के इस नए और आधुनिक सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत इसकी अविश्वसनीय स्पीड होगी। अभी का सिस्टम एक मिनट में करीब 32 हजार टिकट ही बुक कर पाता है, लेकिन नया हाईटेक सिस्टम एक मिनट में 1.5 लाख से ज्यादा टिकट बुक करने की क्षमता रखेगा।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के चलते शेयर बाजार में भारी गिरावट, निवेशकों के डूबे 2 लाख करोड़ रुपए

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने के कारण नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स में गिरावट देखी गई।इस दौरान 30 शेयरों वाला

बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,328.19 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) गिरकर 24,176.15 पर पहुंच गया। दिन के दौरान, सेंसेक्स 77,631.94 पर खुलकर एक समय 77,146.43 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 24,233.65 पर खुलकर 24,126.65 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.15 प्रतिशत की गिरावट आई तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।विभिन्न सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 0.87 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 0.29 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी 50 पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में करीब 4.8 प्रतिशत से 1.3 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में 6.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

गुजरात ने बढ़ाई बैटरी ऊर्जा स्टोरेज क्षमता, 870 मेगावाट तक पहुंचा नेटवर्क

गांधीनगर(आरएनएस)। गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा के उतार-चढ़ाव वाले उत्पादन को नियंत्रित करने और ग्रिड की स्थिरता को मतबूत करने के व्यापक प्रयासों के तहत पांच चालू स्थानों पर अपनी बैटरी ऊर्जा स्टोरेज क्षमता को बढ़ाकर 870 मेगावाट कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राज्य की यह नई क्षमता वृद्धि, बैटरी ऊर्जा स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को जल्दी अपनाने की उसकी पहल पर आधारित है। इसकी शुरुआत सबसे पहले मेहसाणा जिले के मोढेरा में हुई थी, जिसे भारत के पहले सौर-ऊर्जा संचालित गांव के रूप में मान्यता प्राप्त है, जहां सौर ऊर्जा उत्पादन को बैटरी स्टोरेज के साथ एकीकृत किया गया था।गुजरात ने इसी मॉडल का अनुसरण करते हुए धीरे-धीरे कई स्थानों पर स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की तैनाती का विस्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, अब राज्य भर में पांच स्थानों पर बैटरी स्टोरेज सिस्टम चालू हैं। हाल ही में चालू की गई सुविधाओं में अहमदाबाद जिले की साणंद तालुका के चारल स्थित एक सुविधा भी शामिल है।अन्य चालू स्थानों में मोढेरा और कच्छ स्थित लखपत शामिल हैं, जिससे कुल स्थापित क्षमता 870 मेगावाट तक पहुंच गई है।

EPFO सदस्यों की हुई बल्ले-बल्ले, अब ATM और UPI से निकाल सकेंगे PF का पैसा, जानें कितना मिलेगा कैश

नई दिल्ली , (आरएनएस),। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के करीब 8 करोड़ सब्सक्राइबर्स के लिए एक बेहद शानदार और राहत भरी खबर है। अब आपको अपने प्रोविडेंट फंड (PF) का पैसा निकालने के लिए लंबे कागजी झमेलों और दिनों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

जल्द ही आप अपने पीएफ खाते से एटीएम (ATM) और यूपीआई (UPI) के जरिए भी पैसा निकाल सकेंगे। ईटी नाउ के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस नई सुविधा के मई 2026 के अंत तक पूरी तरह से लाइव होने की उम्मीद है। ईपीएफओ डैशबोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में संगठन के 7.98 करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं, जिनमें से 7.74 करोड़ लोगों की आधार-सत्यापित केवाईसी (KYC) पूरी हो चुकी है।

एमजी मोटर की ईवी ने भारतीय बाजार में टॉप-3 में बनाई जगह

नई दिल्ली (आरएनएस),। भारत में इस समय इलेक्ट्रिक गाड़ियों का जबरदस्त क्रेज है। बाजार में लोग अन्य गाड़ियों के मुकाबले ईवी को लेना पसंद कर रहे हैं। केएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया इस क्षेत्र में एक बड़ी कंपनी बनकर उभरी है।

कंपनी की इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में लगातार बढ़त देखी गई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बाजार में दूसरी कंपनियों से मुकाबला बढ़ने के बावजूद एमजी मोटर इंडिया ने अपनी रफ्तार को बनाए रखा है।

कैलेंडर वर्ष 2024 में JSW-MG ने कुल 28,882 यूनिट्स बेचीं। उस समय कंपनी

के पास ZS EV, Comet ¥õÚU Windsor जैसे मॉडल थे। सितंबर 2024 में लॉन्च हुई Windsor की वजह से बिक्री में बड़ी बढ़त देखने को मिली थी। साल 2025 में JSW-MG की कुल बिक्री बढ़कर 61,171 यूनिट्स पहुंच गई जो पिछले साल के मुकाबले 111त्र की भारी बढ़त थी। साल 2025 के इन आंकड़ों में MG Select ब्रांड की गाड़ियां भी शामिल थीं। इसमें M9 और Cyberster 1,500 से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री हुई। ये दोनों ही मॉडल जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए थे।

साल 2026 की शुरुआती बिक्री:

साल 2026 के पहले चार महीनों में स्न्न ने कुल 17,599 इलेक्ट्रिक गाड़ियां बेचीं। इनमें से लगभग 1,000 यूनिट्स MG Select ब्रांड के महंगे मॉडल्स की थीं। अगर इसकी तुलना 2025 के शुरुआत चार महीनों से करें तो इस साल की बिक्री में 9% को बढ़त हुई।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत पर गहरा असर

यूएई ने अमेरिका से डॉलर मुहैया कराने की मांग की है। कहा है कि ऐसा नहीं हुआ, तो वह चीनी मुद्रा में तेल बेचने को मजबूर हो जाएगा। ये घटना खाड़ी क्षेत्र में विकल्पों के तलाश का संकेत देती है। पश्चिम एशिया में जारी लड़ाई ने खाड़ी क्षेत्र की चूलें हिला दी हैं। ईरान के हमलों से खाड़ी देशों में जितना भौतिक नुकसान हुआ, उससे कहीं ज्यादा उनके इस भरोसे को चोट पहुंची कि अमेरिकी सुरक्षा कवच में वे महफूज हैं। इस कारण कई देश भविष्य के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इसकी सबसे ताजा मिसाल अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की ये खबर है कि यूएई ने अमेरिका से वित्तीय मदद मांगी है। यूएई के सेंट्रल बैंक के गवर्नर ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री स्कॉट बेसेंट को बताया कि युद्ध से अर्थव्यवस्था तथा वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में यूएई की हैसियत के क्षतिग्रस्त हुई है।

इससे वे निवेशक भयभीत हैं, जो कभी निश्चिंत होकर वहां निवेश करते थे। नतीजतन, यूएई के पास डॉलर की कमी हो सकती है। वैसे हालात के लिए यूएई ने अमेरिका से स्वैप लाइन के तहत डॉलर मुहैया कराने की मांग की है। साथ ही कहा है कि अमेरिका ने ऐसा नहीं किया, तो यूएई चीनी मुद्रा युवान में तेल सहित अन्य सामग्रियों की बिक्री के लिए मजबूर हो जाएगा। यूएई के इजराइल और अमेरिका गहरे रिश्ते रहे हैं। इसी कारण वह ईरानी हमलों का सबसे अधिक शिकार हुआ। उससे वो मॉडल संदिग्ध हुआ है, जिस पर यूएई खड़ा था। तो उसने अपनी दुर्दशा की परोक्ष जिम्मेदारी अमेरिका पर डाली है और उससे भरपाई करने को कहा है। उधर सऊदी अरब का यह एलान भी महत्त्वपूर्ण है कि वह अपनी भूमि, वायु क्षेत्र या समुद्री क्षेत्र का उपयोग किसी भी ऐसे युद्ध के लिए अब नहीं होने देगा, जिसमें वह शामिल नहीं है। सऊदी अरब ने अपने रक्षा समझौते तहत पाकिस्तान से लड़ाकू विमान और जमीनी फौज तैनात करने को कहा है। पाकिस्तानी सेना चीनी हथियारों और हार्डवेयर से लैस है। अत: सऊदी अरब के इस कदम के पीछे भी दूरगामी संकेत देखे गए हैं। कतर, बहरहीन और कुवैत में भी आत्म- समीक्षा के संकेत हैं। भारत के लिए ये घटनाएं खास अहम हैं। वहां के बदलाव का भारत पर गहरा असर होगा, क्योंकि वो इलाका ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, तथा वहां लाखों भारतीय कर्मी काम करते हैं।

हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने दिया पेंशनरों के हित में फैसला

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य शासन करें पालन

डॉ. चन्दर सोनाने

हाल ही में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला दिया है। इस फैसले के अनुसार दोनों राज्यों को छठवें वेतनमान का 32 माह का एरियर और सातवें वेतनमान की 27 माह की एरियर राशि का 120 दिनों में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों के भुगतान करने के आदेश दिए है।

छत्तीसगढ़ पेंशनर संघ के प्रान्ताध्यक्ष श्री चेतन भारती ने 12 अगस्त 2021 को अपने अधिवक्ता श्री क्षितिज शर्मा के माध्यम से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में दोनों राज्यों के पेंशनरों के साथ हो रहे अन्याय के विरूद्ध न्याय प्राप्त करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। उसी याचिका के संबंध में उच्च न्यायालय द्वारा यह फैसला दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों को राज्य सरकारों द्वारा छठवें वेतनमान का 1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक 32 माह का एरियर नहीं दिया गया था। इसी प्रकार सातवें वेतनमान में भी 1 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक 27 माह की एरियर राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है।

मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनर दोनों राज्य सरकारों के द्वारा किए जा रहे अन्याय के कारण दुखी और परेशान थे । खास बात यह है कि दोनों राज्य सरकारों द्वारा नियमित कर्मचारियों को छठवें और सातवें वेतनमान की एरियर की राशि का भुगतान कर दिया गया। किंतु पेंशनरों के साथ दोनों राज्य सराकरों द्वारा भेदभाव करते हुए छठवें और सातवें वेतनमान की एरियर राशि नहीं दी गई।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनर संगठन द्वारा दोनों राज्य सरकारों के मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री, वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार मिलकर और ज्ञापन देकर एरियर राशि देने का अनुरोध कर रहे थे। किंतु दोनों राज्य सरकारों ने पेंशनरों की अभी तक नहीं सुनी। पेंशनर संगठनों द्वारा छठवें और सातवें वेतनमान की एरियर राशि के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। किन्तु उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। इस कारण मजबूर होकर पेशनर संगठन ने उच्च न्यायालय की शरण ली और उच्च न्यायालय द्वारा पेंशनरों के हित में निर्णय लिया गया।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्रियों से अनुरोध है कि वे उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार 120 दिनों में छठवें और सातवें वेतनमान की एरियर राशि का भुगतान करें। अब अन्याय बहुत हो चुका। पेंशनरों के हित में उच्च न्यायालय का जो निर्देश आया है, उसके लिए दोनों राज्यों के पेंशनर संगठनों को एकजुट होकर एरियर राशि प्राप्त करने की आवश्यकता है।

पिछले दिनों 10 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने भी महँगाई भत्ते और महँगाई राहत पर बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य सरकारें कर्मचारियों और पेंशनधारियों में भेदभाव नहीं कर सकती। क्योंकि महंगाई का असर दोनों पर समान रूप से पड़ता है। इसलिए राज्य सरकारों को महंगाई भत्ता और महंगााई राहत देते समय भेदभाव नहीं करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी.वराले की पीठ ने पिछले दिनों केरलम सरकार और केरलम राज्य सड़क परिवहन निगम की अपीलों को खारिज कर दिया, जिनमें पेंशनधारियों को अलग दर से मंहगाई राहत देने का फैसला सही ठहराया गया था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि रिटायर्ड हो चुके कर्मचारियों को भी समानता का अधिकार है। इसलिए उन्हें किसी भी तरह से कमतर नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा के पेंशनर केवल पेंशन के ही नहीं, बल्कि महंगाई राहत के भी हकदार है, जो समय-समय पर महंगाई के आधार पर बढ़ाई जाती है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का असर देशभर के लाखों पेंशनधारियों पर पड़ सकता है। अब राज्य सरकारें और सरकारी संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे महंगाई राहत तय करते समय सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बीच कोई भेदभाव नहीं करें। यह फैसला पेंशधारियों के अधिकारों को मजबूत करता है। और ये संदेश भी देता है कि कर्मचारियों के रिटायर्ड होने के बाद भी पेंशनरों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आर्थिक नीतियों में भी समानता का सिद्धांत लागू होगा और किसी भी तरह की मनमानी को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

पेंशनरों को पेंशन राहत देते समय एक बड़ा अड़ंगा मध्यप्रदेश राज्य गठन अधिनियम की धारा 49 (6) का बहाना लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पिछले अनेक सालों से भेदभाव किया जा रहा है। उक्त धारा का बहाना लेकर राज्य सरकार सेवारत कर्मचारियों को तो महंगाई भत्ता देने का आदेश उसी तारीख से देते है, जिस तारीख से केन्द्र ने महंगाई भत्ता बढ़ाया है। किन्तु पेंशनरों को उसी समय महंगाई राहत स्वीकार नहीं करते हुए धारा 49 (6) का बहाना करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की सहमति प्राप्त करने के लिए पत्र व्यवहार का नाटक करती रहती है। छत्तीसगढ़ सरकार भी पेंशनरों के साथ भेदभाव करते हुउ उस तारीख से पेंशन नहीं देती है, जिस तारीख से केन्द्र सरकार मंहगाई भत्ता, महंगााई राहत की घोषणा करता है। देर से महंगाई राहत की सहमति प्राप्त होने के कारण मध्यप्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दी गई तारीख से महंगाई राहत की घोषणा करती है, जिसमें कई महीनों की देरी हो जाती है और पेंशनरों को एरियर की राशि भी नहीं दी जाती।

सेवा सेतु-छत्तीसगढ़ में सुशासन और डिजिटल क्रांति का नया अध्याय

नितेश चक्रधारी

छत्तीसगढ़ में शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में सेवा सेतु एक गेम-चेंजर पहल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक सेवाओं को नागरिकों की उंगलियों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी विजन का परिणाम है कि आज आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र से लेकर राशन कार्ड और भू-नक़ल तक की 441 से अधिक सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। डिजिटल युग में सुशासन का असली अर्थ है सेवाओं का सरलीकरण और समयबद्धता। सेवा सेतु इसी सोच को साकार कर रहा है, जो छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है।डिजिटल सुशासन- कार्यालयों के चक्करों से मिली मुक्ति एक समय था जब नागरिकों को प्रमाण-पत्र बनवाने जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए अलग-अलग सरकारी कार्यालयों की दौड़ लगानी पड़ती थी। इसमें न केवल समय और श्रम की बर्बादी होती थी, बल्कि बिचौलियों का डर भी बना रहता था। सेवा सेतु ने इस पारंपरिक ढर्रे को बदलते हुए वन स्टॉप सॉल्यूशन पेश किया है। अब नागरिक घर बैठे या नजदीकी लोक सेवा केंद्र से ऑनलाइन आवेदन कर निर्धारित समय-सीमा में सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। तकनीकी उन्नयन की दिशा में राज्य ने लंबी छलांग लगाई है। छत्तीसगढ़ के पुराने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर जहाँ केवल 86 सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं नए और उन्नत सेवा सेतु प्लेटफॉर्म पर अब 441 सेवाएं लाइव हैं।

बुंदेलखंड की बदहाली को बदलने का दस सूत्रीय रोडमैप

डॉ अतुल मलिकराम

बुंदेलखंड की धरती, जो कभी अपनी वीरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व विख्यात थी, आज गरीबी, बेरोजगारी और पलायन के अभिशाप से कराह रही है। यहाँ के गाँवों में फैली भुखमरी और अभाव की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठी सरकार शायद इस चीख को सुनने में असमर्थ है। नीति आयोग का बहुआयामी गरीबी सूचकांक स्पष्ट गवाही देता है कि उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश, देश के सबसे गरीब राज्यों में तीसरे -चौथे स्थान पर हैं, और इन राज्यों में फैले बुंदेलखंड के जिले इस शर्मनाक सूची में शीर्ष पर काबिज हैं। चित्रकूट, टीकमगढ़ और बाँदा जैसे क्षेत्रों में आधी से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा के नीचे संघर्ष कर रही है। मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूँ कि बुंदेलखंड को केवल खोखले चुनावी वादों की नहीं, बल्कि एक ठोस और समग्र कार्ययोजना की आवश्यकता है, जिसे लागू करने के लिए सरकार को अपनी नींद से जागना होगा।

बुंदेलखंड को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में सबसे पहला कदम एक सटीक और पारदर्शी डेटाबेस तैयार करना होना चाहिए। सरकार को यह समझना होगा कि जब तक हमें यह नहीं पता होगा कि अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति कौन है और उसकी विशिष्ट जरूरतें क्या हैं, तब तक योजनाओं का लाभ बिचौलियों की भेंट चढ़ता रहेगा। आयुष्मान भारत, पीएम आवास और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं को एकीकृत कर एक ऐसा तंत्र विकसित करना होगा जहाँ कोई भी पात्र परिवार सरकारी तंत्र की लापरवाही के कारण वंचित न रहे। केवल ई-केवाईसी के आंकड़े गिनाने से पेट नहीं भरता; वास्तविक धरातल पर योजनाओं का पहुँच जाना ही सफलता की कसौटी है।

क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने के लिए हर गरीब परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ना अनिवार्य है। बुंदेलखंड के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, कमी है तो केवल उचित प्रशिक्षण और संसाधनों की। सरकार को चाहिए कि वह स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुसार विशेष कौशल विकास केंद्र स्थापित करे, जो केवल प्रमाण पत्र न बाँटें बल्कि 70 प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी भी दें। मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति जैसी योजनाओं का लाभ उन गरीब युवाओं तक पहुँचना चाहिए जो ऋण लेने की जटिल प्रक्रिया से डरकर पीछे हट जाते हैं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी, पोल्ट्री और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को सहकारी मॉडल पर बढ़ावा देना होगा। मध्य प्रदेश की नई मत्स्य पालन नीति का लाभ बुंदेलखंड के तालाबों तक पहुँचना चाहिए ताकि पलायन कर रहे हाथ अपने ही गाँव में काम पा सकें।

बुंदेलखंड के किसानों और कारीगरों के साथ हो रहे आर्थिक शोषण को रोकने के लिए सहकारी समितियों का जाल बिछाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। जब तक बिचौलियों का वर्चस्व समाप्त नहीं होगा, तब तक यूपी सरकार की एक जनपद-एक उत्पाद जैसी योजनाएं केवल विज्ञापनों तक सीमित रहेंगी। बुंदेलखंड के विशेष उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ना होगा ताकि मुनाफा सीधे उत्पादक की जेब में जाए। इसके अतिरिक्त, कृषि प्रधान क्षेत्र होने के नाते यहाँ छोटे स्तर की फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना करना भी अनिवार्य है। आटा मिल, तेल मिल और मसाला पैकेजिंग जैसी इकाइयाँ गाँवों में ही रोजगार के नए द्वार खोलेंगी।

बुंदेलखंड का भविष्य यहाँ के बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा पर टिका है। कुपोषण की मार झेल रहे कोल आदिवासी क्षेत्रों में आंगनबाड़ियों को पुनर्जीवित करना होगा। यशोदा मातृ-शिशु पोषण मिशन जैसे कार्यक्रमों को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दूध और पौष्टिक आहार के साथ उतारना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में, गरीब बच्चों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और जिला स्तर पर सुपर 30 जैसे कोचिंग सेंटरों की स्थापना करनी होगी ताकि आर्थिक तंगी किसी मेधावी छात्र का रास्ता न रोक सके। लाड़ली बहना योजना में दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर 3,000 रुपये करना और इसका दायरा बढ़ाना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

कुल मिलाकर देखें तो बुंदेलखंड का विकास किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए एक एकीकृत कार्ययोजना की आवश्यकता है जिसकी समीक्षा स्वयं मुख्यमंत्री स्तर पर होनी चाहिए। औद्योगिक पैकजों का लाभ सीधे स्थानीय गरीब परिवारों को रोजगार के रूप में मिलना चाहिए। सरकार को यह समझना होगा कि बुंदेलखंड की जनता अब और इंतजार नहीं कर सकती। यदि सरकारें वास्तव में इस क्षेत्र को गरीबी मुक्त देखना चाहती है, तो उसे अपनी कार्यशैली में पारदर्शिता लानी होगी और इन दस सूत्रीय योजनाओं को मिशन मोड में लागू करना होगा। बुंदेलखंड का स्वाभिमान तभी लौटेगा जब यहाँ का हर हाथ काम पाएगा और हर परिवार अभावों से मुक्त होगा। अब समय आ गया है कि सरकार अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए और बुंदेलखंड को विकास का नया कीर्तिमान बनाने में सहयोग करे, और यदि ऐसा करना संभव न हो तो केंद्र सरकार बुंदेलखंड को पृथक राज्य घोषित कर, इतिहास में दर्ज अन्य छोटे राज्यों की तरह बुंदेलखंड भी अपना रास्ता खुद बना लेगा।

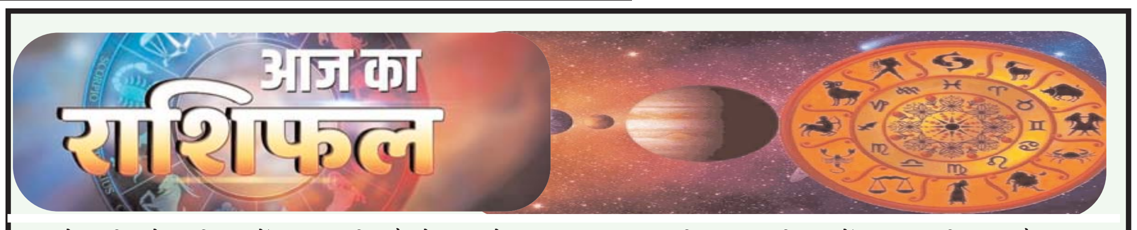

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा। किसी कारण से पिताजी आपको नयी जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप पूरी तरह निभाएंगे। जमीन जायदाद से जुड़े काम पूरे हो सकते हैं।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना तथा अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा। आज कुछ नजदीकी यात्रा होने के योग भी बन रहे हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेंगी। आज खर्चों की अधिकता रहेगी, लेकिन साथ ही आय के साधन बढ़ने से परेशानी नहीं होगी। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा। आज आपको किसी निकट संबंधी के घर जाने का मौका मिलेगा। आज अन्य गतिविधियों में व्यस्तता की वजह से आपका खुद का महत्वपूर्ण काम अधूरा रह सकता है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। आज मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में समय बीतेगा। आज आपके बच्चे नकारात्मक गतिविधियों और संगति से दूरी बनाकर रखेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे। आज घर के किसी सदस्य को बड़ी सफलता मिलने से घर का वातावरण उत्सव जैसा होगा। इस समय काम करने के तरीके में बदलाव करने की जरूरत है, कारोबारी गतिविधियां अच्छी रहेंगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की सहायता मिल जाएगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा। इस राशि के बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष फलदायी है। आज सामाजिक कार्यों में मन लग सकता है। आज सेहत अच्छी रहेगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे।

मकर राशि:मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में अभी और मेहनत करने की जरुरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। वर्कप्लेसल पर आपका काम अच्छा चलेगा। आपको किसी काम में मदद की जरूरत रहेगी, इस मामले में दोस्त से सलाह मिल सकती है। पॉजिटिव नजरिए से जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज निपटाने के नए तरीके भी आपको मिलेंगे।

हजारों बेगुनाहों की जान ले चुकी है बंगाल की खूनी सियासत!

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है, जो दशकों से चला आ रहा है। पश्चिम बंगाल... एक ऐसा राज्य जहां सियासी दुश्मनों को हराया नहीं, बल्कि खत्म कर दिया जाता है। यहां पार्टियां बदलती हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन हिंसा की राजनीति का तरीका नहीं बदलता। बंगाल की शान, उसका गौरवशाली इतिहास और बौद्धिक संस्कृति, इन सबको 34 साल के कम्युनिस्ट शासन की खूनी सियासत ने धुंधला कर दिया। गांव से लेकर कोलकाता के सत्ता के गलियारों तक, पार्टी ही सरकार थी और सरकार ही पार्टी। इसी कैडर कल्चर से सियासी दुश्मनी ने जन्म लिया। वोट कौन किसे देगा, ये लोग नहीं, पार्टी तय करती थी। एक पूरी पीढ़ी तक राज करने वाली लेफ्ट पार्टियों ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की नींव डाल दी।गांवों में पड़ोस के घरों से लेकर कोलकाता की सड़कों तक, राजनीतिक विरोधियों को हिंसक तरीके से कुचलना एक संस्कृति बन गई। लेफ्ट पार्टियों ने यह सब सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वे किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहते थे। 34 साल के कम्युनिस्ट राज में 20,000 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं और अनगिनत रेप हुए। कर्नाटक में बैठकर वहां हुए इस कुशासन का अंदाज़ा लगाना भी मुश्किल है।

खूनी राजनीति के बीच एक उम्मीद बनकर उभरीं ममता बनर्जी। लेफ्ट की हिंसक राजनीति को हराकर सत्ता में तो आईं, लेकिन अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्होंने भी वही रास्ता अपना लिया। बंगाल की टीएमसी में कार्यकर्ता कितने थे पता नहीं, पर गुंडों की कोई कमी नहीं थी। 2018 का पंचायत चुनाव हो, 2021 के चुनाव के बाद की हिंसा हो, या 2023 के पंचायत चुनाव के बाद का खून-खराबा में 60 लोगों की मौत यह सिलसिला जारी है । विरोधी पार्टियों के दफ्तरों में आग लगाना, लोगों के घरों में घुसकर टीएमसी को वोट देने की धमकी देना मारपीट ध्रुवीकरण बंगाल में आम बात हो गई। गांवों में टीएमसी का विरोध करने वालों के पास दो ही रास्ते थे - या तो गांव छोड़ दो, या टीएमसी को वोट दो। टीएमसी का विरोध करने वालों को जहां-तहां पीटा गया, झूठे केसों में जेल में डाल दिया गया। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें खत्म कर दिया गया और उनके घर की महिलाओं पर अत्याचार किए गए। यहां तक कि ममता बनर्जी के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को भी नहीं बख्शा गया।

आरोप है कि ममता सरकार के राज में 300 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं, जबकि रेप के मामलों का तो कोई हिसाब ही नहीं। कई महिलाओं ने तो इज्जत के डर से पुलिस स्टेशन का मुंह तक नहीं देखा। उन्हें यह भी भरोसा नहीं था कि अगर वे शिकायत करने गईं तो सुरक्षित घर लौट पाएंगी।

2021 तक टीएमसी की खूनी राजनीति एक स्तर पर थी, लेकिन उसके बाद के हालात और भी भयानक हो गए। थोक में वोट पाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाना, और सिर्फ इसलिए हिंदुओं को निशाना बनाना क्योंकि उन्होंने बीजेपी का समर्थन किया था, यह सब टीएमसी के दबंगई और गुंडई के जरिए चल रहा था। बंगाल के लोगों के सब्र का बांध टूटने में 15 साल लग गए। इसका नतीजा ये हुआ कि 2011 में एक भी सीट न जीत पाने वाली बीजेपी, 2016 में 3 सीटों पर सिमटने वाली बीजेपी, आज 77 से 206 सीटें जीतने के स्तर पर आ गई है।

उम्मीद है कि कम्युनिस्टों द्वारा शुरू की गई और टीएमसी द्वारा आगे बढ़ाई गई इस खूनी राजनीति को बीजेपी आगे नहीं बढ़ाएगी। बंगाल के लिए बीजेपी का यही सबसे बड़ा अच्छा काम होगा। क्योंकि जो लोग पहले लेफ्ट और टीएमसी के कैडर थे, वही आज बीजेपी का झंडा उठा रहे हैं। पार्टियां और सरकारें बदल गईं, लेकिन हिंसा की जहरीली सियासी संस्कृति अब यहीं खत्म होनी चाहिए।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बावजूद, चुनावी और राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थमा नहीं है, चाहे वह वामपंथी शासन सीपीएम का दौर हो या वर्तमान तृणमूल कांग्रेस का दौर।आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की खूनी राजनीति के बंगाल में सियासी हिंसा का दौर 1959 के खाद्य आंदोलन से शुरू होकर आज छह दशक बाद भी जारी है। एनसीआरबी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारत में सबसे अधिक राजनीतिक हत्याएं दर्ज की गई हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव, 2018 के पंचायत चुनाव और 2013 के पंचायत चुनावों के दौरान राज्य में व्यापक हिंसा और हत्याएं देखी गईं।

ताज़ा घटना क्रम में बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या सहित चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है. अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी. गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं.पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं. भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई.एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई. वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है।

उधर पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीए निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर की गई हत्या को एक सुनियोजित साजिश और कोल्ड-ब्लडेड मर्डर करार दिया है। यह घटना 6 मई 2026 की रात को मध्यमग्राम में हुई, जब वह अपने घर लौट रहे थे।

मिट्टी के बर्तन, सिक्के, चूड़ियां...बेट द्वारका में मिली सदियों पुरानी विरासत

अंडरवॉटर खुदाई से हुए चौंकाने वाले खुलासे

गांधीनगर,(ए.)। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की अंडरवाटर आर्कियोलॉजी विंग (यूएडब्ल्यू) की ओर से द्वारका और

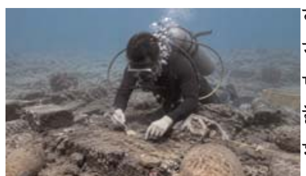

बेट द्वारका के समुद्री क्षेत्रों में चल रहे ऐतिहासिक एक्सकैवेशन का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हुआ है। बता दें कि दिसंबर 2025 से शुरू हुए मिशन के तहत अरब सागर की गहराई और तटीय इलाकों में गहराई से तलाशी हुई। इस प्रोजेक्ट के निरीक्षण के लिए खासतौर से आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के डायरेक्टर जनरल (डीजी) यदुबीर सिंह रावत पहुंचे, जिन्होंने पाए गए इन अवशेषों का बारीकी से निरीक्षण किया।

रिसर्च के दौरान कई इसतरह के प्रमाण मिले, जिससे पता चलता है कि प्राचीन काल में बेट द्वारका, रोमन साम्राज्य सहित अन्य विदेशी देशों के साथ समुद्री व्यापार का एक प्रमुख केंद्र था। ऐतिहासिक ग्रंथों में इस द्वीप का उल्लेख अंतर्द्वीप के रूप में मिलता है, जबकि ग्रीक ग्रंथ पेरप्लस ऑफ द एरीथ्रियन सी में बाराका कहा गया है। अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण यह क्षेत्र विश्व व्यापार के मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान रखता था, यह अब सिद्ध हो चुका है।घनी वनस्पति और वन्यजीवों की मौजूदगी के बीच, अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किए गए इस उत्खनन में महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कड़ियां हाथ लगी हैं, जिसमें जमीन के भीतर पत्थरों से निर्मित प्राचीन संरचनाओं के नमूने, विदेशी मिट्टी के बर्तन, सिक्के और लोहे की वस्तुएं, कांच के मनके और शंख की चूड़ियों जैसी कलात्मक चीजें शामिल हैं। पुरातत्व विभाग के अनुसार, बेट द्वारका के दक्षिण-पूर्वी तट पर मिले अवशेष संकेत देते हैं कि यहां प्रोटो-हिस्टोरिक (आद्य-ऐतिहासिक) काल से ही लगातार मानव बस्ती अस्तित्व में थी। इस सर्वेक्षण से भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और प्राचीन विश्व के साथ उसके गहरे संबंधों के बारे में अधिक विस्तृत और वैज्ञानिक जानकारी मिलने की उम्मीद है।

कार और बाइक में भिड़ंत, तीन युवकों की मौके पर मौत

बालोद (आरएनएस)। जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र में आज दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खैरडीह गांव के पास कार और मोटरसाइकिल में हुई भिड़ंत में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान तरुण कुमार यादव पिता मिनेन्द्र यादव (20 वर्ष), राहुल सेवता पिता सावंत सेवता (20 वर्ष) दोनों सीर्राभाठा निवासी और नरेंद्र भुआर्य पिता पुरषोत्तम भुआर्य (21 वर्ष) ग्राम मुड़खुसरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार दल्लीराजहरा से राजनांदगांव की ओर जा रही थी, जबकि बाइक सवार देवरी की तरफ से डौंडीलोहारा आ रहे थे। इसी दौरान खैरडीह गांव के पास दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।शवों को पोस्टमार्टम के लिए मरच्यूरी में रखवाया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है

देश को मिले नए सीडीएस, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के हाथ में होगा तीनों सेनाओं का कंट्रोल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है। वे जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई को समाप्त होने वाला है। देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के साथ-साथ, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग में सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे।इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्रालय ने लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि को चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सैन्य सेवा वाले एक उच्च सम्मानित अधिकारी के रूप में वर्णित किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया, चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ एक उच्च सम्मानित अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि वर्तमान में सितंबर 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले उन्होंने सेना के उप प्रमुख और केंद्रीय कमान के जीओसी-इन-सी के रूप में कार्य किया है, इसके साथ ही पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर प्रमुख परिचालन इकाइयों की कमान संभाली है।लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में अपने सैन्य सफर की शुरुआत की और दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स में कमीशन प्राप्त किया। उन्होंने सेना और रक्षा प्रतिष्ठान के भीतर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों के माध्यम से एक व्यापक परिचालन और रणनीतिक प्रोफाइल का निर्माण किया।यूनाइटेड किंगडम के ब्रैक्नेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, वे भारत लौट आए और एक पर्वतीय ब्रिगेड के ब्रिगेड मेजर के रूप में कार्यभार संभाला। इसके बाद में उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में अध्ययन किया। इस अधिकारी की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी प्रभावशाली है।

(रायपुर) सुशासन तिहार से मिल रही है मुस्कान, सरकार रख रही है जरूरतमंदों का ध्यान।

दिल्ली-फरीदाबाद के बीच एमईएमयू रेल सेवा को मिली मंजूरी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के अनुरोध पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और फरीदाबाद के बीच नई मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) रेल सेवा संचालित करने को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे दिल्ली और फरीदाबाद के बीच प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन रोजगार, शिक्षा, व्यापार और अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आते हैं। लंबे समय से स्थानीय नागरिकों और दैनिक यात्रियों द्वारा अतिरिक्त और सुविधाजनक रेल सेवा की मांग की जा रही थी। मौजूदा परिवहन व्यवस्था पर अत्यधिक दबाव होने के कारण यात्रियों को भीड़, देरी और असुविधा का सामना करना पड़ता था। एमईएमयू सेवा शुरू होने से यात्रियों को तेज, सुलभ और किफायती सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार आम नागरिकों की दैनिक आवश्यकताओं और यातायात संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय बनाकर लगातार कार्य कर रही है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व : 11 मई को सोमनाथ पहुंचेंगे पीएम मोदी, ऐतिहासिक समारोह में होंगे शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। आस्था, साहस और भारतीय सभ्यता की अमर पहचान माने जाने वाले सोमनाथ मंदिर का इतिहास एक बार फिर चर्चा में है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के जरिए इस वर्ष मंदिर पर हुए पहले हमले के 1,000 साल और इसके पुनर्निर्माण के बाद दोबारा उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इसी अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मई को सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे। गुजरात के सौराष्ट्र तट पर प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला और सबसे पवित्र माना जाता है। शिव पुराण में वर्णित यह मंदिर भगवान शिव, भगवान कृष्ण और शक्ति की उपासना का प्रमुख केंद्र है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्र में भी सोमनाथ को सबसे पहला स्थान दिया गया है, जो भारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत में इसकी सर्वोच्च पहचान को दर्शाता है। सोमनाथ मंदिर का इतिहास संघर्ष और पुनर्निर्माण की अद्भुत गाथा है। वर्ष 1026 में इस मंदिर पर पहला बड़ा हमला हुआ था। इसके बाद 11वीं से 18वीं शताब्दी तक कई बार मंदिर को तोड़ा गया और लूटा गया, लेकिन हर बार भक्तों और राजाओं ने इसे फिर से खड़ा किया। 12वीं शताब्दी में राजा कुमारपाल ने मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। इसके बाद जूनागढ़ के राजा और फिर इंदौर की मराठा महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने भी सोमनाथ मंदिर को नई पहचान दी।

स्वतंत्रता के बाद लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में सोमनाथ के खंडहरों का दौरा किया और इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। उनका मानना था

कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण भारत के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को फिर से मजबूत करेगा। इसके बाद जनभागीदारी और राष्ट्रीय संकल्प के साथ वर्तमान मंदिर का निर्माण कैलाश महामेरु प्रसाद वास्तुशैली में किया गया। 11 मई 1951 को भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर का पुन: उद्घाटन किया। आज, 75 साल बाद भी सोमनाथ भारत की आस्था, गौरव और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बना हुआ है। सोमनाथ की कहानी केवल मंदिर तक सीमित नहीं है, बल्कि उन वीरों की भी है जिन्होंने इसकी रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं-देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पॉल-के परिजनों से मुलाकात की।

रायगढ़ स्टेशन बना गांजा ट्रांजिट प्वाइंट, 18 किलो नशे संग ओडिशा के 3 तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़(आरएनएस)। रायगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर शिव मंदिर के पास पीपल पेड़ के नीचे बैठे तीन चेहरे पुलिस को सामान्य यात्री लगे, लेकिन जैसे ही बैग और ट्रॉली खुली तो पूरा इलाका सनसनी से भर गया। बैगों में कपड़े नहीं बल्कि करीब 18 किलो गांजा छिपाकर रखा गया था, जिसे ओडिशा से मध्यप्रदेश सप्लाई करने की तैयारी चल रही थी। रायगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा के दो पुरुष और एक महिला तस्कर को धर दबोचा और मौके से 17.726 किलोग्राम गांजा, मोबाइल फोन समेत कुल 1.79 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर ली।

पंजाब : कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के सरकारी आवास पर ED की दबिश, चंडीगढ़ समेत कई शहरों में एक साथ छापेमारी

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर शनिवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। सेक्टर-2 स्थित आवास पर सुबह करीब 7 बजे ईडी की टीम पहुंची। जानकारी के अनुसार ईडी के अधिकारी लगभग 20 गाड़ियों में मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां मौके पर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआईए और स्पेशल फोर्स के करीब तीन दर्जन जवानों को भी तैनात किया गया। सुबह 7:25 बजे से सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ, जो कई घंटों तक जारी रहा।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग, एईएमए उल्लंघन, जमीन से जुड़े मामलों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत की जा रही है। एजेंसी ने केवल चंडीगढ़ ही नहीं बल्कि लुधियाना, जालंधर और गुरुग्राम समेत कई शहरों में भी छापेमारी की। जांच के दायरे में संजीव अरोड़ा के परिवार और उनकी कंपनी से जुड़े कुछ कार्यालय भी शामिल बताए जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, छापेमारी के समय संजीव अरोड़ा देश में मौजूद नहीं थे। वे आधिकारिक दौरे पर नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम गए हुए हैं, जहां 'इनवेस्ट पंजाब' कार्यक्रम के तहत उद्योगपतियों से मुलाकात कर राज्य में निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

ईडी की कार्रवाई को लेकर पंजाब की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा, आज फिर से भाजपा की ईडी संजीव अरोड़ा के घर आई है। एक साल में ये तीसरी बार उनके घर भाजपा की ईडी आई है और पिछले एक महीने में दूसरी बार, फिर भी कुछ नहीं मिला है इनको। मैं मोदी को बताना चाहता हूँ कि पंजाब गुरुओं की धरती है, औरंगजेब भी हमें नहीं झुका सका था। ये भगत सिंह की धरती है जो अंग्रेजों के सामने कभी नहीं झुके, तो मोदी के इन हथकंडों के सामने पंजाब कभी नहीं झुकेगा। ईडी-भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन का अंत पंजाब से ही होगा।

वहीं, आप सांसद संजय सिंह ने भी केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा का सुपारी किलर ईडी आज फिर पंजाब पहुंच गया है। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर छापेमारी शुरू हो गई है। दो-तीन दिन तमाशा चलेगा, फ़र्ज़ी ख़बरे चलेंगी, सुपारी किलर वापस चले जायेंगे। फिर मालिक के द्वारा उनको नया टास्क दिया जायेगा। पंजाब की भगवंत मान सरकार को बदनाम करने के लिए, पंजाब की जनता का काम रोकने के लिए और कितने हथकंडे अपनाओगे, मोदी जी?

भारत की ऐतिहासिक छलांग, ओडिशा तट से लंबी दूरी की परमाणु-सक्षम मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत ने सामरिक रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार शाम ओडिशा तट से परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) श्रेणी की मिसाइल का परीक्षण किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह परीक्षण अग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं दिखता, लेकिन इसकी क्षमता ICBM श्रेणी की मानी जा रही है। हालांकि, डीआरडीओ ने अभी तक इस परीक्षण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। ICBM तकनीक वाले चुनिंदा देशों की सूची में भारतअब तक केवल अमेरिका, रूस, चीन और उत्तर कोरिया के पास ही 12,000 किमी से अधिक मारक क्षमता वाली ICBM तकनीक मौजूद है। वहीं फ्रांस और ब्रिटेन के पास परमाणु-सक्षम पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) तकनीक है। यदि भारत पूर्ण ICBM क्षमता हासिल कर लेता है, तो उसकी रणनीतिक पहुंच वैश्विक स्तर पर और मजबूत हो जाएगी।डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने हाल ही में एक रक्षा सम्मेलन में कहा था कि अग्नि-6 परियोजना के लिए सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और सरकार की मंजूरी मिलते ही कार्यक्रम आगे बढ़ाया जाएगा।

मोहब्बत की निशानी ताजमहल के शाही दरवाजे के दरकने लगे पत्थर

पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिरे

आगरा,(ए)। दुनिया की

सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल ताजमहल करीब 373 साल पुराना हो चुका है। इस स्मारक के शाही दरवाजे के पत्थर अब दरकने लगे हैं। दरवाजे की दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। कुछ पत्थर अपनी जगह से खिसक गए हैं। शाही गेट अब आंधी और बारिश भी नहीं झेल पा रहा। पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिर चुके हैं। इससे पहले भी ताजमहल परिसर के कई हिस्सों में पत्थर और जालियां टूट चुकी हैं। मुख्य मकबरे के पीछे यमुना नदी की तरफ लगी जालीदार रेलिंग भी तेज बारिश और आंधी नहीं झेल पाई। साल 2020 में यह रेलिंग गिर गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 7 अप्रैल 2026 को आगरा में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान ताजमहल के शाही दरवाजे के सफेद और लाल पत्थर निकलकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई पर्यटक इसकी चपेट में नहीं आया। 30 अप्रैल 2026 को आगरा में हल्की आंधी और बारिश हुई। इसके बावजूद शाही दरवाजे के सफेद पत्थर के 5 टुकड़े टूटकर नीचे गिर गए। शाही दरवाजा ताजमहल का मुख्य प्रवेश द्वार है। ताजमहल के पश्चिमी और पूर्वी गेट से प्रवेश करने के बाद पर्यटक फोरकोर्ट में पहुंचते हैं। यहां से इसी शाही दरवाजे के जरिए मुख्य मकबरे तक जाते हैं। पहले दक्षिणी गेट से आने वाले पर्यटक भी इसी दरवाजे के सामने पहुंचते थे।

पीएमजीजीबीवाई, पीएमएसबीवाई ने 2015 से अब तक 25,160 करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया: सीतारमण

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ने अब तक करीब 25,160 करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया है.सीतारमण ने बताया कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक सस्ती वित्तीय सुरक्षा पहुंचाना है.ये तीनों योजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नौ मई 2015 को शुरू की गई थीं. वित्त मंत्री ने कहा कि ये प्रमुख योजनाएं बीमा और पेंशन क्षेत्र को व्यापक बनाने के साथ-साथ नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान कर दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने का काम कर रही हैं.उन्होंने बताया कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमश: 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन किए गए हैं.सीतारमण ने बताया कि पीएमजेजेबीवाई के तहत अब तक 10.7 लाख से अधिक परिवारों को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के दावे का भुगतान किया गया है, जबकि पीएमएसबीवाई के अंतर्गत 1.84 लाख से अधिक परिवारों को लगभग 3,660 करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया गया है.उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा योजनाओं के 11 वर्ष पूरे होने पर सभी हितधारकों, विशेषकर बैंक और बीमा कंपनियों के फील्ड स्तर के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए, जिनकी वजह से ये योजनाएं सफल हो सकी हैं.

विधानसभा चुनाव 2026: 1,400 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की शराब, ड्रग्स, नकदी, मुफ्त उपहार और कीमती धातु जब्त

नईदिल्ली(आरएनएस)। निर्वाचन आयोग ने हाल ही में तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव में जब्त की गई शराब और नकदी (कैश) का डेटा जारी किया है.आयोग के मुताबिक, चुनाव के दौरान एनफोर्समेंट टीमों ने करीब 1444.96 करोड़ रुपये की प्रलोभन वाली चीजें जब्त कीं, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले बहुत ज्यादा है. जब्त की गई चीजों में नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और मुफ्त उपहार शामिल थीं.चुनाव आयोग के जारी किए गए डेटा से पता चला है कि तमिलनाडु में कुल 662.28 करोड़ रुपये की जब्तियां हुईं, जबकि पश्चिम बंगाल में 573.41 करोड़ रुपये, अकेले केरल में 80.67 करोड़ रुपये की जब्तियां हुईं, जिसमें 12.12 करोड़ रुपये कैश और 2.51 करोड़ रुपये की शराब शामिल है. असम में कुल 117.24 करोड़ रुपये और पुडुचेरी में 9.72 करोड़ रुपये की जब्तियां हुईं.चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनावों के दौरान मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट यानी कि, आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन पक्का करने के लिए कई कदम उठाए थे. हिंसा-मुक्त, धमकी-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए भारतीय राजस्व सेवा (आयकर), भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर), भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, भारतीय रेलवे लेखा सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय डाक और दूरसंचार लेखा और वित्त सेवा और भारतीय सिविल लेखा सेवा से लिए गए 376 व्यय पर्यवेक्षक (एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर), 7,470 फ्लाइंग स्क्वाड टीम और 7,470 स्टैटिक सर्विलांस टीम भी तैनात किए गए थे.

करिश्मा तन्ना ने प्रेग्नेंसी में दिखाया ग्लैमरस अवतार, मोनोकिनी पहन दिए पोज

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने हाल ही में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर की हैं. फोटोज में वो काफी ग्लैमरस लुक में नजर आईं.

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी फर्स्ट प्रेग्नेंसी एंजॉय कर रही हैं. वो अक्सर बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. लुक की बात करें, तो करिश्मा ब्लैत एंड व्हाइट मोनोकिनी पहने नजर आई. गॉग्लस लगाए वो काफी ब्यूटीफुल दिख रही है. करिश्मा ने कई पोज भी दिए. तस्वीरों में उनका बेबी बंप भी नजर आ रहा है. फैंस तस्वीरों पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. करिश्मा ने इससे पहले ब्लैक मोनोकिनी में भी कई फोटोज शेयर की थी. सेल्फी लेते हुए वो अपनी बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रहीं थी. बता दें, एक्ट्रेस इस साल अगस्त में अपने पहले बेबी का वेलकम करने वाली हैं. उन्होंने अपने पति के साथ फोटोज शेयर कर फैंस के साथ ये गुड न्यूज शेयर की. करिश्मा तन्ना ने साल 2022 में वरुण बंगेरा के साथ शादी की थी. अब ये कपल शादी के चार साल बाद पेरेंट्स बनने वाले हैं.

राजा शिवाजी ने 7वें दिन भी मचाई धूम, 50 करोड़ के हुई पार

रितेश देशमुख की ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी मराठी सिनेमा के लिए बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर इतिहास रच रही है. महाराष्ट्र में काफी प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. शानदार ओपनिंग के बाद इसने वीकडेज में भी धमाकेदार कमाई की है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?

राजा शिवाजी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो चुका है. इसकी ओपनिंग काफी जबरदस्त रही थी और इसने ओपनिंग वीकेंड भी भी अच्छी कमाई की लेकिन वीकडेज में इसके कलेक्शन में काफी उतार-चढ़ाव बना रहा है, फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है. हालांकि गुरुवार को इसकी कमाई में गिरावट आई है लेकिन फिर भी इसने एक मील का पत्थर पार कर लिया है.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो राजा शिवाजी ने रिलीज के पहले दिन 11.35 करोड़ कमाए थे. दूसरे दिन इस फिल्म ने 10.55 करोड़, तीसरे दिन 12 करोड़, चौथे दिन 5.60 करोड़ 5वें दिन 4.90 करोड़ और छठे दिन 4.25 करोड़ की कमाई की है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन 4 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म के 7 दिनों का कुल कलेक्शन अब 52.60 करोड़ रुपये हो गया है.

राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में 52 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है. इसी के साथ ये अपने आधे बजट से ज्यादा वसूल कर चुकी है. बता दें कि इसे 75 करोड़ की लागत में बनाया गया है. ऐसे में अपना पूरा बजट वसूलने से ये फिल्म 23 करोड़ रुपये दूर है.

उम्मीद है कि दूसरे वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी और ये अपनी लागत वसूलने के करीब पहुंच जाएगी और दूसरे हफ्ते में तो ये हर हालत में अपना पूरा बजट वसूल कर जाएगी. वैसे इस फ्राइडे सिनेमाघरों में कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हुई है जिसके चलते बॉक्स ऑफिस पर कंप्टीशन कम है और इस कारण राजा शिवाजी के पास कमाई करने का पूरा मौका है. साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन का पहले हफ्ते में सूपड़ा साफ होते दिख रहा है। इसने 7वें दिन सिर्फ 19 लाख रुपये कमाए हैं। कारोबारी दिनों में फिल्म लगातार सिर्फ लाखों में कारोबार करती आई है। फिल्म ने अब तक कुल 4 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला ने रिलीज के 21वें दिन 1.75 करोड़ कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 150 करोड़ रुपये हो गया है।

सच से पर्दा उठाती है संजय दत्त की आखिरी सवाल, फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में बनी है. फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में भी दस्तक देने वाली है. इसमें संजय दत्त का एक अलग और दमदार अवतार देखने के लिए मिल रहा है. तमाम चर्चाओं के बीच आखिरी सवाल का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जो बेहद ही कमाल का है. इसमें आरएसएस और बाबरी मस्जिद को लेकर कई सवालों के जवाब देखने के लिए मिलते हैं.

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल के ट्रेलर की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आपातकाल के ऐलान से शुरू होता है, जिसके बाद कहानी आगे बढ़ती है और बाबरी मस्जिद विध्वंस पर आ जाती है, जिसमें आरएसएस का नाम आता है और यहां सवाल खड़ा होता है कि जब आरएसएस का नाम समाज सेवा शांति है तो बाबरी मस्जिद पर क्यों चढ़े?

फिल्म के ट्रेलर में संजय दत्त का दमदार रोल होता है, जो एक प्रोफेसर के रोल में होते हैं. वह आरएसएस के खिलाफ उठ रहे सवालों के बेबाकी से जवाब देते नजर आते हैं. इसमें लेफ्ट और राइट विंग्स को भी दिखाया गया है. संजय दत्त के साथ ही समीरा रेड्डी और अमित साध जैसे कलाकार भी अहम रोल में नजर आते हैं और एक दमदार भूमिका में दिखाई देते हैं. ट्रेलर देखने के बाद ये एक कमाल की फिल्म लगती है.

आपको बता दें कि फिल्म आखिरी सवाल को सेंसर बोर्ड की ओर से भी हरी झंडी मिल चुकी है. यह फिल्म सीबीएफसी के जांच के घेरे में फंस गई थी, जिसकी वजह से इसकी रिलीज में देरी हुई. हालांकि, बाद में सेंसर बोर्ड से फिल्म को क्लियरेंस मिल गया था.

राम चरण की पेड्डी ने विदेश में रचा इतिहास, प्रीमियर से पहले ही महज 4 घंटे में बना दिया ये तगड़ा रिकॉर्ड

पेड्डी साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है. इस अपकमिंग फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर ने लीड रोल प्ले किया है. पेड्डी को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट पहले ही पीक पर है. वहीं इस फिल्म ने 4 जून 2026 को अपनी वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले नॉर्थ अमेरिका में अपनी प्री-सेल्स के साथ ही इतिहास रच दिया है.बता दें कि पेड्डी के मेकर्स ने हाल ही में कंफर्म किया था कि इस फिल्म का फाइनल एडिट लॉक हो चुका है. ये फिल्म 3 जून 2026 को अपने वर्ल्डवाइड प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसके बाद 4 जून को इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा. अपने ग्रैंड प्रीमियर से पहले ही, पेड्डी ने रिकॉर्ड तोड़ प्री-सेल्स के साथ एक कमाल कर दिया है. दरअसल नॉर्थ अमेरिका में पेड्डी के डिस्ट्रीब्यूशन को देख रहे प्रत्यंगिरा सिनेमाज की रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म को नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ फिल्म ने महज चार घंटों के भीतर .100य का आंकड़ा पार कर लिया, जो इतने कम समय में किसी भी भारतीय फिल्म की टिकट सेल के लिए एक नया बेंचमार्क है.

मेरे जख्म मेरी कहानी बयां करते हैं... राजश्री देशपांडे ने शेयर कीं मार्मिक तस्वीरें

टीवी और फिल्म अभिनेत्री राजश्री देशपांडे ने ब्रेस्ट कैंसर से अपनी लड़ाई और जीत की कहानी को बेहद साहस के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उन्होंने अपने शरीर पर बचे सर्जरी के निशानों को खुलकर दिखाया और उन्हें अपनी ताकत व हिम्मत का प्रतीक बताया। इंडस्ट्री में जहां दिखावे और परफेक्शन को बहुत महत्व दिया जाता है, राजश्री देशपांडे ने सच्चाई और साहस को चुनते हुए एक मजबूत संदेश दिया है। इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट में राजश्री ने लिखा, मेरे जख्म मेरी जिंदगी की कहानी बयां करते हैं। हर एक जख्म इस बात की याद दिलाता है कि मैंने लड़ाई लड़ी, मैं जिंदा बची और मैंने जीत हासिल की। उन्होंने आगे लिखा, ब्रेस्ट कैंसर ने अपने निशान तो छोड़े, लेकिन वह कभी भी मेरी हिम्मत को छू नहीं पाया। हर उस महिला से, जो अपनी चमक को फीका कर रही है प्लीज उठो। तुम बहुत खूबसूरत हो और तुम्हारे जख्म कोई दाग नहीं हैं, बल्कि वे तुम्हारे साहस का ताज हैं।राजश्री देशपांडे ने कहा कि आज वे अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ खड़ी हैं। उनके दिल में प्यार है और रूह में हिम्मत। उन्होंने सभी महिलाओं को संदेश दिया कि जीवन को पूरी तरह से जीना चाहिए और अपने जख्मों को शर्मिंदगी की जगह ताकत बनाकर आगे बढना चाहिए।राजश्री की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी सराही जा रही है। कई महिलाएं और सेलिब्रिटी उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने मैसेज दिया है कि सौंदर्य सिर्फ बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदर की ताकत और साहस में छिपा होता है। उन्होंने अपने संघर्ष को खुलकर साझा करके कई महिलाओं को हौसला दिया है।राजश्री की पोस्ट पर दिया मिर्जा, अमृता खानविलकर, शुभांगी लाटकर, शिल्पा तुलस्कर समेत कई सितारे व सोशल मीडिया यूजर्स भी खुलकर उनकी तारीफ करते नजर आए।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 के 50 दिन पूरे, रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर बनी दूसरी सबसे कमाऊ भारतीय फिल्म

रणवीर सिंह और आदित्य धर की फिल्म धुरंधर- द रिवेंज ने इतिहास की किताबों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिखवा लिया है, क्योंकि उनकी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में अपने 50 दिन सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं और एक ऐतिहासिक थिएटर रन के साथ बॉक्स ऑफ़िस पर अपना दबदबा बनाए हुए है. रिलीज के 50 दिन पूरे होने के साथ ही, इस स्पाई थ्रिलर फिल्म ने अपने नाम एक और नई उपलब्धि जोड़ ली है.

धुरंधर- द रिवेंज ने 7 मई को बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे किए हैं. इन 50 दिनों में रणवीर की फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. किसी भी बॉलीवुड फिल्म को धुरंधर 2 का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बॉक्स ऑफिस पर कई जबरदस्त छक्के और चौके लगाने होंगे.

हालांकि हफ्तों बाद फिल्म की कमाई की रफ्तार

थोड़ी धीमी पड़ गई, फिर भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार गति बनाए रखने में कामयाब रही है. धुरंधर 2 ने अपनी थिएट्रिकल यात्रा की शुरुआत पहले हफ्ते में 674.17 करोड़ रुपये की ज़बरदस्त कमाई के साथ की. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 263.65 करोड़ रुपये और कमाए, और उसके बाद तीसरे हफ्ते में 110.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया.

आने वाले हफ्तों में भी यही सिलसिला जारी रहा, और चौथे हफ्ते में फिल्म ने 54.70 करोड़ रुपये की कमाई की. पांचवें, छठे और सातवें हफ्ते में क्रमश: 19.52 करोड़ रुपये, 12.45 करोड़ रुपये और 5.58 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई के साथ, फिल्म ने अपनी कुल कमाई को एक बहुत बड़े आंकड़े तक पहुंचा दिया. हाल ही में बने एक नए रिकॉर्ड के साथ, इस फिल्म ने बाहुबली 2: द कंक्लूजन (1788.60 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ते हुए, दुनिया भर में किसी भी भारतीय फिल्म की कुल कमाई के मामले में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है. यह फिल्म अब दंगल (1968.03 करोड़ रुपये) के ठीक पीछे है. सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर 2 ने दुनिया भर में 1791.55 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है,यह सचमुच इस फिल्म के लिए एक असाधारण उपलब्धि है कि इसने भारत में इस साल की 1000 करोड़ रुपये के नेट कलेक्शन का आंकड़ा पार करने वाली पहली हिंदी फिल्म बनकर इतिहास रच दिया है.

वहीं, 2026 की यह सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली टॉप फिल्म बन गई है.इस फ्रैंचाइजी ने खुद भी इतिहास रच दिया है. धुरंधर सीरीज़ के कुल कलेक्शन ने अब दुनिया भर में 3,100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, और इसके साथ ही यह दुनिया भर में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय फिल्म फ्रैंचाइजी बन गई है.

कूलर से आती है गंदी बदबू? इन 5 तरीकों से उसे कर सकते हैं दूर

गर्मियों में कूलर का इस्तेमाल करना काफी आरामदायक होता है। हालांकि, अगर कूलर से बदबू आने लगे तो यह अनुभव को खराब कर सकता है। यह बदबू बैक्टीरिया और फंगस की वजह से आती है, जो गंदगी और नमी में पनपते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कूलर से आने वाली बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और उसे साफ-सुथरा रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा एक उपयोगी सामग्री है, जो बदबू को दूर करने में मदद कर सकता है। इसे कूलर के पानी में मिलाने से नमी कम होती है और बैक्टीरिया पनपने का मौका नहीं मिलता। इसके लिए कूलर के पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर पानी बदल दें। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू खत्म हो जाएगी और वह साफ-सुथरा रहेगा।

नींबू का रस डालें

नींबू का रस न केवल ताजगी देता है, बल्कि इसमें मौजूद एसिड भी बैक्टीरिया को मारता है, जिससे बदबू नहीं आती। इसके लिए कूलर के पानी में नींबू के कुछ टुकड़े डालें या फिर सीधे इसके रस को पानी में मिलाएं। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी और ताजगी बनी रहेगी। नींबू का नियमित उपयोग आपके कूलर को साफ-सुथरा रखने में मदद करेगा, जिससे यह लंबे समय तक सही काम करेगा।

सफेद सिरका भी है असरदार

सफेद सिरका एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है, जो बैक्टीरिया को मारता है और बदबू दूर करता है। इसके लिए कूलर के पानी में सफेद सिरके की कुछ बूंदें मिलाएं और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर पानी बदल दें। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू खत्म हो जाएगी और यह साफ-सुथरा रहेगा। सफेद सिरका का नियमित उपयोग आपके कूलर को लंबे समय तक सही काम करने में मदद करेगा।

पुदीने की पत्तियां आएंगी काम

पुदीने की पत्तियां न केवल ताजगी देती हैं, बल्कि इनकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। इसके लिए कूलर के पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालें या फिर इसके तेल की कुछ बूंदें मिलाएं। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी और ताजगी बनी रहेगी। पुदीने का नियमित उपयोग आपके कूलर को साफ-सुथरा रखने में मदद करेगा और उससे एक भीनी और अच्छी खुशबु भी आती रहेगी।

नियमित सफाई करें

कूलर की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है। इसके लिए हर हफ्ते कूलर की टंकी और पंखे को साफ करें। गंदगी हटाने के लिए पानी का उपयोग करें और अच्छे से सुखा लें। साथ ही दाग आदि को हटाने के लिए खास उत्पादों या प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करें। इन तरीकों का पालन करके आप अपने कूलर से आने वाली बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और इसे साफ-सुथरा रख सकते हैं।

लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च में होता है अंतर; जानिए इन तीनों के फायदे

शिमला मिर्च एक ऐसी सब्जी है, जो कई तरह से खान-पान में इस्तेमाल होती है। लाल, हरी और पीली शिमला मिर्च के बीच का अंतर जानने के बाद आप अपने भोजन में इनका सही उपयोग कर पाएंगे। लाल शिमला मिर्च पकी हुई होती है और इसमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। हरी शिमला मिर्च कच्ची होती है और इसमें कम कैलोरी होती हैं। पीली शिमला मिर्च मीठी होती है और इसका स्वाद भी अन्य शिमला मिर्च से अलग होता है।

लाल शिमला मिर्च के फायदे

लाल शिमला मिर्च में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। लाल शिमला मिर्च का सेवन त्वचा के लिए भी लाभकारी हो सकता है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करने और उसे मुलायम बनाने में मदद करती है।

हरी शिमला मिर्च के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ

हरी शिमला मिर्च में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद कर सकता है। इसमें विटामिन-सी और विटामिन-के की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। इसके अलावा हरी शिमला मिर्च में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और जलन को कम कर सकते हैं। हरी शिमला मिर्च का सेवन वजन प्रबंधन में भी सहायक हो सकता है, क्योंकि इसमें कम कैलोरी होती हैं।

पीली शिमला मिर्च के लाभ

पीली शिमला मिर्च में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को रोकने में मदद करते हैं। इसमें ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो विटामिन-ए में बदल जाते हैं और आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। पीली शिमला मिर्च का सेवन त्वचा को नमी देने में भी मदद कर सकता है और त्वचा को स्वस्थ रख सकता है। इसमें आयरन भी होता है, जो खून में हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर कर सकता है।

तीनों शिमला मिर्च में पोषक तत्वों का अंतर

तीनों शिमला मिर्च में कैलोरी कम होती है और ये फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। इसके अलावा तीनों में विटामिन-सी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। हरी और पीली शिमला मिर्च में तांबा और मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है। लाल शिमला मिर्च में अधिक मात्रा में बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन-ए में बदल जाता है और आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

क्या यह बिडम्बना नहीं है?

पूरे 12 महीने लाइन में लगता है अन्नदाता, तब कहीं उसका अनाज होता है तैयार

खाद बीज से लेकर उपज को बेचने में होती है बहुत परेशानी

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। खेती करना कोई आसान काम नहीं है। प्रायः देखने में आता है कि अन्नदाता किसान को हर महिने लाइन में लगना पड़ता है। तब कहीं जाकर उसकी उपज तैयार हो पाती है। खाद्यान्य हो, दलहन हो या तिलहन हो। सभी तरह की उपज के लिए बार बार परेशान होना किसान की किस्मत में लिखा हुआ है। शासन प्रशासन की बिगडैल व्यवस्था के कारण किसान ने परेशान होना मजबूरी समझ ली है। किसानी के लिए खाद, बीज तो आवश्यक है ही। फिर उसके बाद समर्थन मूल्य पर उपज को बेचना है। पहले खाद बीज के लिए लाइन में लगो फिर उपज के लिए पंजीयन कराने में लाइन में लगो। कभी कभी तो डीजल के लिए भी लाइन में लगना पड़ता है। अब कब कैंसे किस महिने में लाइन में लगना पड़ता है। उसका एक संक्षिप्त उदाहरण है कि जनवरी फरवरी के महिने में गेहूं में खाद डालने और चना बेचने के पंजीयन के लिए लाइन लगती है, इन्हीं महिने में तथा मार्च में गेहूं पंजीयन के लिए लाइन में लगना पड़ता है। अप्रैल मई के महिने में गेहूं बेचने के लिए लाइन में लगते हैं। जून जुलाई में मूंग के पंजीयन के लिए इन्हीं महिने में खाद के लिए भी लाइन लगती है। अगस्त सितंबर में मूंग बेचने के लिए लाइन में लगना पड़ता है। साथ में अगली फसल के लिए खाद के लिए भी बार बार लाइन में लगना पड़ता है। इसके बाद अक्टूबर में रबी की बोवनी से पूर्व यूरिया, डीएपी व अन्य खाद के लिए तथा धान के पंजीयन के लिए मजबूर होकर लंबी लंगी लाइन में किसान को लगना पड़ता है। नंबर दिसंबर में फिर धान बेचने के लिए लाइन लग जाती है। क्या यह बिडंबना नहीं है। यह तो एक उदाहरण है। अनेक बार लाइन में लगना किसानों की मजबूरी सी हो गई है। इसी कारण किसानों के नेता जो विभिन्न संगठनों में हैं उनको आंदोलन या ज्ञापन देने को मजबूर होना पड़ता है।

परिवहन नहीं होने के कारण खरीदी रुकी, किसान तीन दिन से हो रहे परेशान

खरीदी केंद्रों पर लग गए गेहूं ढेर, छा रहे हैं बादल हो रही हल्की बारिश

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के खरीदी केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जा रही है। अनेक केंद्रों पर गेहूं का अंबार लग गया है। आवक अधिक और परिवहन धीमी गति से होने से कई खरीदी केंद्रों पर गेहूं रखने की जगह नहीं बचने के कारण खरीदी बंद कर पहले परिवहन का इंतजार हो रहा है। इस बीच रोज शाम को मौसम बिगड़ रहा है। कभी कभी हल्की बारिश भी हो रही है। पिछले दिनों तो तेज बारिश हो चुकी है। किसानों से मिली रही जानकारी के अनुसार अनेक केंद्रों पर खरीदी रोक दी गई है। मुख्यालय के ही मंडी के दोनों केंद्रों पर बीते दो दिन से खरीदी बंद कर दी गई है। बड़ी संख्या में किसान खरीदी केंद्रों पर पहुंच गए हैं। जिससे विवाद की स्थिति बन रही है। बताया जा रहा है कि अभी तक लक्ष्य से 40 प्रतिशत से भी कम खरीदी हुई है। खरीदी के लिए 23 मई तक का समय तय किया गया है।

मंडी में पड़ा हुआ है गेहूं

मंडी सहित अनेक केंद्रों पर गेहूं की थप्पी लगी हुई है। एक तो खरीदा हुआ जो एफसीआई ने वापस कर दिया है दूसरा जो परिवहन होना है। इस प्रकार केंद्रों पर गेहूं का अंबार लगता जा रहा है।

कहीं ज्यादा बारिश न हो जाए

बीते तीन दिनों से बादल छा रहे है। गर्जना के साथ हल्की बारिश भी अनेक क्षेत्र के खरीदी केंद्रों पर हो चुकी है। जिससे अब चिंता का विषय यह है कि कहीं ज्यादा बारिश न हो जाए नहीं तो गेहूं भींग कर खराब हो सकता है।

ट्रालियों की लग रही लंबी लाइन

खरीदी केंद्रों पर ट्रालियों की लंबी लंबी लाइन इस लिए लग रही है क्योंकि खरीदी केंद्रों पर गेहूं रखने की जगह नहीं बचने के कारण खरीदी की गति या तो बहुत धीमी है या बंद कर दी गई है।

बार बार हो रहे बादलों से बढ़ रहा मूंग की फसल में इल्ली का डर

फसल को बचाने बार बार करना पड़ रहा कीटनाकक का स्प्रे

डोलरिया (निप्र)। कृषि प्रधान जिले में इस बार मूंग की फसल अच्छी आई है। जिले में मूंग का रकबा करीब 1 लाख

90 हजार हेक्टेयर में हो चुका हैं। हर तरफ मूंग की फसल लहलहा रही है। किसान लगातार पानी दे रहे हैं। इसके साथ ही बार बार बादल होने से दहलनी फसल मूंग में इल्ली का प्रकोप बढ़ने की संभावना बन रही है। इस कारण किसानों का हर सप्ताह मूंग की फसल में कीटनाशक का स्प्रे करना पड़ रहा है। तब कहीं फसल बच पा रही है। उन्नतशील किसान गणेश गौर ने बताया कि मूंग की फसल तो अच्छी है। लेकिन बादल हो रहे हैं। जिससे मूंग की फसल में इल्ली बढ़ने लगती है। इसलिए फसल का बचाने के लिए स्प्रे करना आवश्यक हो रहा है। तब कहीं फसल बच पा रही है।

बिजली भी सता रही

किसानों ने बताया कि इस मौसम में मूंग को हर दिन पानी की जरूरत है। जिन क्षेत्रों में नहर है वहां तो किसान नहर से पानी दे रहे हैं। लेकिन जहां पर नहर नहीं है वहां पर तो टृयूबवेल की मोटर से ही पानी देना पड़ रहा है। जिसके लिए बिजली आवश्यक है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली हर भी चली जाती है। उसके बाद कब आएगी कोई निश्चित समय नहीं रहता है। इस कारण मूंग की फसल में पानी की जरूरत के समय बिजली लगातार होना जरूरी है।

गुंडों को छोड़ना मत अस्पताल में विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने जताई नाराजगी

टीआई को दिया सीधा संदेश आकाश यादव पर जानलेवा हमले के बाद दयाल हॉस्पिटल पहुंचे विधायक ने कहा शहर में दहशत फैलाने वालों की अब खैर नहीं

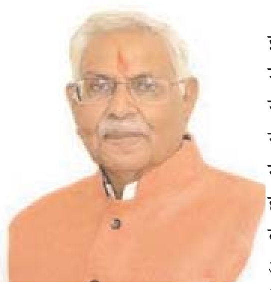

इटारसी (निप्र)। इटारसी भाजपा सभापति मीरा यादव के पुत्र आकाश यादव पर हुए जानलेवा हमले ने राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में भारी हलचल मचा दी है। घटना के बाद माहौल उस वक्त और गर्म हो गया जब विधायक डॉ सीतासरन शर्मा सीधे दयाल हॉस्पिटल पहुंचे और घायल आकाश यादव से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। लेकिन यह सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी अस्पताल के भीतर विधायक का तेवर बिल्कुल अलग दिखाई दिया। गुस्से से भरे विधायक ने मौके पर ही इटारसी थाना प्रभारी से फोन पर तीखी बातचीत की और साफ शब्दों में कहा गुंडों को ऐसा सबक सिखाओ कि दोबारा किसी की तरफ आंख उठाने की हिम्मत न करें।विधायक ने साफ चेतावनी दी कि शहर में अपराध और गुंडागर्दी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर अपराधियों पर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ेंगे और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

अस्पताल में मौजूद लोगों के मुताबिक विधायक बेहद आक्रोशित नजर आए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से कहा कि सिर्फ खानापूर्ति नहीं बल्कि ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जिससे शहर में संदेश जाए कि कानून से बड़ा कोई नहीं। डॉ शर्मा ने कहा कि इटारसी की शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने पुलिस को आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त धाराओं में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। घटना के बाद अस्पताल में समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जमा हो गई। माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण और राजनीतिक रूप से गर्म नजर आया। इस दौरान नपा अध्यक्ष पंकज चोरे जयकिशोर चौधरी सभापति राकेश जाधव मनजीत कालोसिया मंडल अध्यक्ष गोकुल पटेल कुलदीप रघुवंशी हरप्रीत छाबड़ा वीरेंद्र यादव अंशु यादव एवं राजकुमार यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मातृत्व दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। समेरिटंस विद्यालय सांदीपनी परिसर चक्कर रोड मालाखेड़ी में शनिवार को मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत ने सभी को जीवन में मां की भूमिका के बारे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन मां की भूमिका सर्वाधिक होती है। कार्यक्रम का आयोजन प्री प्राइमरी विभाग द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में शिखा खम्परिया, स्वाति खम्परिया, सहित अन्य शिक्षिकाएं और अभिभावक माताएं उपस्थित रही।

किसान समस्याओं के निराकरण हेतु समीक्षा बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी निलेश शर्मा द्वारा शनिवार को किसान संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर किसानों की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में किसानों द्वारा कृषि, सहकारिता, विद्युत आपूर्ति एवं उपार्जन व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया। इस दौरान उपस्थित कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, एमपीईबी एवं एफसीआई विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका अमले ने किया अमृत योजना के कार्यों का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नगरपालिका पिपरिया के अमले द्वारा नगरीय निकाय क्षेत्र में अमृत योजना अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन पार्क एवं एमआरएफ सेंटर (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) तथा कंपोस्टिंग यूनिट स्थल का अवलोकन कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया।

व्यापारी कल्याण महासंघ के अध्यक्ष और व्यापारी मिले पूर्व विधायक से

नर्मदापुरम (निप्र)। व्यापारी कल्याण महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र चौकसे के नेतृत्व में आज पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा से मिले इस अवसर पर शर्मा ने अध्यक्ष महेंद्र चौकसे का स्वागत किया एवं बधाई दी। इस अवसर पर संघ के महासचिव मनोहर बढ़ानी देवेंद्र कुमार, राजू चौकसे, राम नवलानी नूतन अग्रवाल मुकेश श्रीवास्तव राजेश राठौर आमीन राइन उदित द्विवेदी गोविंद मूलचंदानी महेश मूलचंदानी नितेश खंडेलवाल अजय रतनानी सोनू अग्रवाल गौरव सेठ सतीश बढ़नी कैप्टन किशोर करया सहित सभी व्यापारी साथी उपस्थित रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी जाकिर खान नै दी।

शहरी विकास और विरासत संरक्षण के साथ जन-हितैषी योजनाओं का क्रियान्वयन हमारी प्राथमिकता: सांसद माया नारोलिया

संसदीय समिति की बैठक: राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने तिरुपति में शहरी विकास और जन-कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की

नर्मदापुरम (ए.)। भारत सरकार की आवास और शहरी मामलों की संसदीय स्थायी समिति (2025-26) के अध्ययन प्रवास के दौरान राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने तिरुपति में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने शहरी विकास, बुनियादी ढांचे की मजबूती और केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर गहन चिंतन और संवाद किया।बैठक में आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों तथा तिरुपति शहरी विकास प्राधिकरण के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सांसद श्रीमती नारोलिया ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे अमृत 2.0, स्वच्छ भारत मिशन-शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 और पीएम स्वनिधि की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से शहरी चुनौती कोष CF और पीएम ई-बस सेवा के विस्तार पर जोर दिया, ताकि आम नागरिकों को सुलभ और आधुनिक परिवहन सेवा मिल सके। धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी तिरुपति के सतत विकास पर चर्चा करते हुए श्रीमती नारोलिया ने कहा कि धार्मिक पर्यटन वाले शहरों में बुनियादी ढांचे का विकास इस तरह होना चाहिए कि वहां की विरासत भी सुरक्षित रहे और आने वाले श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं भी मिलें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास भी, विरासत भी का दृष्टिकोण आधुनिक भारत की मुख्य विचारधारा बन गया है, जो भौतिक प्रगति के साथ-साथ सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित कर रहा है। इसका उद्देश्य आधुनिकीकरण के साथ संस्कृति को मजबूती देना है। इसके साथ ही उन्होंने तिरुपति नगर निगम और जिला प्रशासन के साथ राजस्व जुटाने और बजट प्रबंधन के विषयों पर भी विचार साझा किए।संसदीय समिति के सदस्य के रूप में उन्होंने CPWD, NBCC और HUDCO जैसे प्रमुख संस्थानों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने मानव संसाधन क्षमता को बढ़ाने और शहरी निकायों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अध्ययन दौरे का मुख्य उद्देश्य विभिन्न राज्यों में चल रही शहरी परियोजनाओं की जमीनी हकीकत को समझना और भविष्य के लिए नीतियों को और अधिक जन-उपयोगी बनाना है। बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों से आए संसदीय समिति के अन्य माननीय सदस्य और लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। तिरुपति के पश्चात समिति अपने अगले पड़ाव के लिए हैदराबाद और गुलमर्ग हेतु प्रस्थान करेगी।

नहरों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी

ग्राम मालाखेड़ी में राजस्व एवं सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम ने हटाया अतिक्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में नहरों पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई निरंतर की जा रही है। प्रशासन द्वारा सिंचाई व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने एवं जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमणों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में सिंचाई विभाग की माइनर नहर पर अतिक्रमण किए जाने की प्राप्त शिकायत पर राजस्व विभाग एवं सिंचाई विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया गया। नायब तहसीलदार शक्ति तोमर से प्राप्त जानकारी के अनुसार कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नर्मदापुरम नगर तहसील अंतर्गत ग्राम मालाखेड़ी में शनिवार को सिंचाई विभाग की माइनर नहर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर नहर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा जेसीबी की सहायता से नहर पर व्याप्त अतिक्रमण को हटाकर नहर मार्ग को मुक्त कराया गया।

जनगणना में नागरिक बढ़-चढ़कर करें सहयोग : सांसद माया नारोलिया

नर्मदापुरम (निप्र)। सांसद कार्यालय संवाद केन्द्र में शनिवार को राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने जनगणना से संबंधित जानकारी साझा करते हुए नागरिकों से इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की।इस दौरान प्रगणक शैलेन्द्र सिंह तोमर ने सांसद माया नारोलिया से जनगणना से जुड़े 34 प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सरल और स्पष्ट रूप से उत्तर दिया। सांसद माया नारोलिया ने कहा कि जनगणना देश के सामाजिक और आर्थिक विकास की आधारभूत प्रक्रिया है। इससे प्राप्त आंकड़े शासन की योजनाओं और नीतियों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सही और अद्यतन जानकारी दर्ज होना आवश्यक है, जिससे जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाएं और प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो सके।

डिप्टी कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति अधिकारी ने उपार्जन केन्द्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

अमानक गेहूं पाए जाने पर खरीदी प्रभारियों को दिए सख्त निर्देश

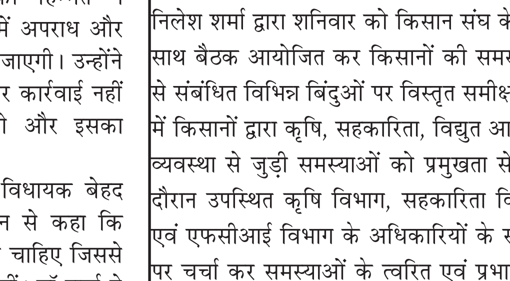

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं किसानों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु जिला उपार्जन समिति द्वारा लगातार भ्रमण एवं निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में किसान संघों से प्राप्त ज्ञापनों एवं किसानों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के उद्देश्य से जिला आपूर्ति अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी, जिला प्रबंधक मप्र वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन वासुदेव दंवडे, जिला प्रबंधक मप्र वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन सुरेश संखेरे तथा जिला प्रबंधक सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन द्वारा ब्यावरा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गेहूं उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान नमामि स्व सहायता समूह के गेहूं उपार्जन केन्द्र पर सुबह 10 बजे तक खरीदी प्रभारी अनुपस्थित पाए गए, जबकि एच.एल. अग्रवाल वेअरहाउस, ब्यावरा खुला मिला तथा लगभग 50 ट्रॉलियां रास्ते में खड़ी थीं। अधिकारियों द्वारा खरीदी प्रभारी को दूरभाष पर सूचना देकर तत्काल बुलाया गया तथा खरीदी कार्य प्रारंभ कराया गया।तत्पश्चात निमसाडिया समिति के खरीदी केन्द्र, जो गोविंद वेअरहाउस निटाया में संचालित है, का निरीक्षण किया गया। यहां समिति द्वारा बारदाने की मांग किए जाने पर जिला प्रबंधक सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन द्वारा संबंधित बारदाना प्रभारी को पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।व्याबरा क्षेत्र स्थित श्री राधा स्व सहायता समूह के नवज्योति वेअरहाउस में संचालित उपार्जन केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। यहां लगभग 100 से अधिक ट्रॉलियां सड़क पर कतारबद्ध खड़ी पाई गईं।

अधिकारियों द्वारा खरीदी प्रभारी को किसानों को टोकन जारी कर क्रमवार खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उपार्जन केन्द्र के हम्माल बागदेव रोड पर लगे जाम में फंसे हुए थे, जिन्हें मौके पर व्यवस्था बनाकर उपार्जन केन्द्र तक पहुंचाया गया तथा किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया। इसी क्रम में राधा स्व सहायता समूह कोदगांव द्वारा संचालित एच.एस.व्ही. वेअरहाउस ग्राम चांदला स्थित उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

भारत सरकार | सोमनाथ

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

सोमनाथ

विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।

75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

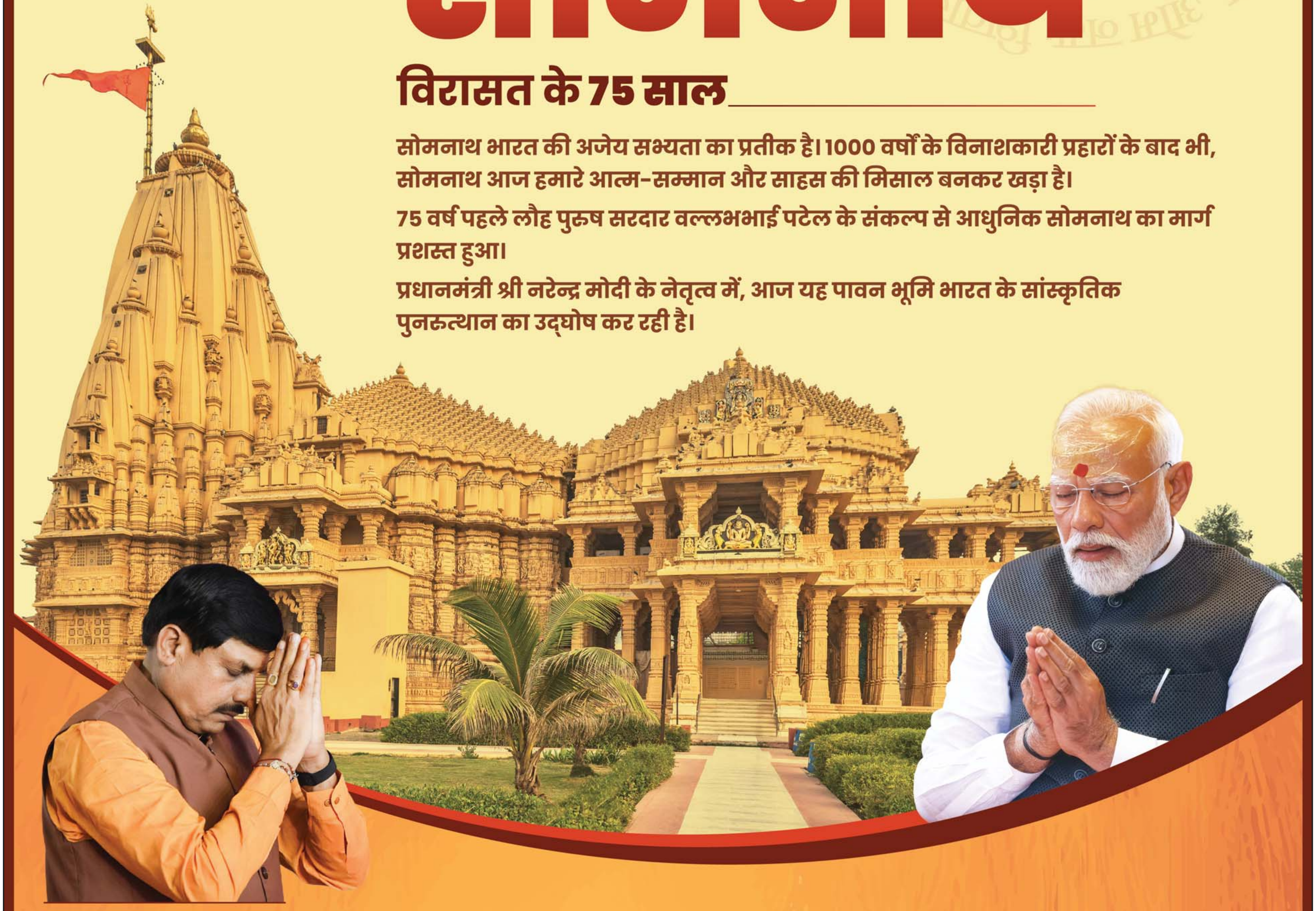

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

सोमनाथ की दिव्यता एवं भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।

D-11019/26

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी